RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

साझा करें अपने मित्रों से

सांध्य दैनिक
दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग

संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल

वर्ष- 13, अंक - 148 | श्रीकंचनपथONLINE | visit us http://www.shreekanchanpath.com | भिलाई, मंगलवार 15 मार्च 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

भाजपा सांसदों से बोले पीएम मोदीः मेरे कहने पर आपके बेटों का टिकट कटा, इसके पीछे मैं ही जिम्मेदार

वंशवाद की राजनीति लोकतंत्र के लिए खतरनाक-पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा संसदीय दल की बैठक समाप्त हो गई है। बैठक में हिस्सा लेने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर पहुंचे थे। राजनाथ सिंह समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। स्वागत के बाद पीएम मोदी ने अपने सांसदों को संबोधित किया। सूत्रों के अनुसार पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि अगर किसी भाजपा सांसद या मंत्री के बेटे या बेटी की उम्मीदवारी खारिज हुई तो इसके पीछे मैं जिम्मेदार हूं। पीएम मोदी ने कहा कि पार्टी में पारिवारिक राजनीति की अनुमति नहीं होगी, अन्य पार्टियों में वंशवाद की राजनीति के खिलाफ लड़ा जाएगा। पीएम मोदी ने कहा कि परिवारवादी पार्टियां देश को खोखला कर रही हैं। वहीं इससे पहले चार राज्यों में बड़ी जीत के लिए सभी सांसदों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी.नड्डा को फूल का माला पहनाकर भी स्वागत किया गया। बैठक शुरू होने से पहले स्वर कोकिला लता मंगेशकर को भी श्रद्धांजलि दी गई।

पीएम मोदी ने सांसदों को संबोधित करते हुए कहा कि वंशवाद की राजनीति लोकतंत्र के लिए खतरनाक है और इसके खिलाफ हमें लड़ना होगा। पीएम मोदी ने कहा कि उनकी वजह से है कि कई सांसदों के बच्चों को हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनावों में टिकट नहीं मिला। पीएम मोदी ने कहा कि वंशवाद की राजनीति से लड़ने के लिए भाजपा को संगठन के भीतर इस तरह की प्रथाओं पर लगाम लगानी होगी।

जहां कम वोट मिले वहां समीक्षा करेंः पीएम मोदी

बैठक में मौजूद भाजपा सांसद मनोज तिवारी के अनुसार, मोदी ने सांसदों से कहा कि वे अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में ऐसे 100 बूथों की पहचान करें जहां भाजपा को अपेक्षाकृत कम वोट मिले और इसके पीछे के कारणों की पहचान करें। हालांकि, उन्होंने पार्टी को समर्थन देने के लिए सांसदों को भी धन्यवाद दिया, तिवारी ने कहा।

चार राज्यों में सीएम चुनने के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त

इस बीच, भाजपा संसदीय बोर्ड ने उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मणिपुर और गोवा विधानसभाओं में विधायक दल के नेताओं के चुनाव के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षकों और सह-पर्यवेक्षकों को नियुक्त किया है, जहां भाजपा ने भारी जीत हासिल की है। अमित शाह को जहां उत्तर प्रदेश का केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है, वहीं राजनाथ सिंह को उत्तराखंड की जिम्मेदारी दी गई है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को मणिपुर के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है जबकि किरेन रिजिजू सह-पर्यवेक्षक हैं। गोवा के लिए केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर को केंद्रीय पर्यवेक्षक बनाया गया है।

सत्य को दबाने के लिए एक इकोसिस्टम काम करता है, कश्मीर फाइल्स जैसी फिल्में बनती रहनी चाहिए- पीएम मोदी

द कश्मीर फाइल्स फिल्म को दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है। हर कोई विवेक अग्निहोत्री के निर्देशन में बनी इस फिल्म की खूब तारीफकर रहा है। पीएम मोदी ने हाल ही में फिल्म की टीम से मुलाकात भी की थी। अब मंगलवार को हुई भाजपा संसदीय दल की बैठक में भी पीएम मोदी ने फिल्म द कश्मीर फाइल्स की चर्चा की है। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि फिल्म में जो दिखाया गया है उसे दबाने की कोशिश की गई।

सत्य को दबाने का प्रयास किया गया

पीएम मोदी ने कहा कि इस फिल्म के जरिए सच को बाहर लाया गया है। इस दौरान उन्होंने यह भी बताया कि सत्य को दबाने के लिए एक इकोसिस्टम काम करता है। सच को उजागर करने वाली इस तरह की फिल्में ज्यादा बननी चाहिए।

बता दें, 'द कश्मीर फाइल्स' कमाई के मामले में भी कमाल दिखा रही है। विवेक अग्निहोत्री की इस फिल्म की कहानी में बहुत दम है। फिल्म में 90 को दशक में कश्मीरी पंडितों को घर से बेघर करने की कहानी को दर्शाया गया है। ''द कश्मीर फाइल्स'' पटकथा और कहानी बुनने की कला को नई ऊंचाई देती हुई फिल्म है। दर्शकों की डिमांड के बाद फिल्म को देशभर में 2000 स्क्रीन्स पर दिखाया जा रहा है।

इससे पहले विवेक रंजन अग्निहोत्री ने पीएम का आभार जताते हुए लिखा था- मैं अभिषेक अग्रवाल के प्रति आभारी हूं। आपने भारत के सबसे चुनौतीपूर्ण सत्य को दिखाने की हिम्मत की और फिल्म को प्रोड्यूस किया। #TheKashmirFiles फिल्म यूएसए में रिलीज हो रही है, इससे पीएम मोदी जी के विश्व स्तर पर नेतृत्व का पता चल रहा है।

संभल करा मनाएं होली कोरोना का खतरा बरकरार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। इस बार की होली खास होगी। लोग जमकर रंग और गुलाल खेलने की तैयारी कर रहे हैं। हो भी क्यों न। गुजरे दो साल से कोरोना की वजह से लोग खुलकर होली नहीं खेल पा रहे थे। कोविड के डर लोगों को सता रहा था। मौजूदा समय में कोविड का प्रकोप काफी कम हो गया है। फिर भी डॉक्टरों ने होली में एहतियात के साथ रंग खेलने की सलाह दी है। डॉक्टरों का कहना है कि कोरोना खत्म नहीं हुआ है। लिहाजा सावधानी जरूर बरतें।

डॉक्टरों के मुताबिक होली अपने जानने वालों के साथ ही खेलें। यदि कोई सर्दी-खांसी या बुखार से पीड़ित हैं। तो उससे दूरी बनाकर रहें। मरीज खुद को आईसोलेट कर रखें। उन्होंने बताया कि होली पर पहले के मुकाबले कोरोना का ज्यादा असर नहीं है। इसके बाद भी लोग कोविड नियमों का पालन करें। मास्क लगाएं। ज्यादा भीड़ में जाने से बचें। यदि टीका अब तक नहीं लगवाया है तो लगवा लें। इससे काफी हद तक कोविड के गंभीर लक्षणों से खुद को बचा सकते हैं।

बुजुर्ग, सांस के रोगी संभल कर रहे

डॉक्टरों के मुताबिक बुजुर्ग व सांस के मरीज बाहर निकलने से बचें। रंग के छोटे-छोटे कंडों से संक्रमण का खतरा पैदा हो सकता है। हर्बल अबीर-गुलाल से ही होली खेलें। गीले रंग के इस्तेमाल से बचें। मौसम में तेजी से बदलाव हो रहा है। ऐसे में सांस के मरीज दवाएं डॉक्टर की सलाह पर लेते रहें। इनहेलर भी न छोड़े।

रंग खेलने से पहले त्वचा पर लगाएं तेल

रंग खेलने से पहले शरीर और बालों में तेल लगाएं। ऐसा करने से रंग त्वचा पर चिपकेगा नहीं। त्वचा पूरी तरह सुरक्षित रहेगी। बच्चे मना करने के बाद भी गीले रंग से होली खेलते हैं। ऐसे में बच्चों को वॉटर प्रुफ संसक्रीम लगाना जरूरी है। रंग खेलने से पहले बच्चों के बाल बांध दें। उनके नाखून काट दें। प्राकृतिक रंगों से ही होली खेलें। रंग खेलने के बाद किसी तरह की दिक्कत होने पर डॉक्टर की सलाह लें।

खास-खबर

नीति आयोग ने मुख्यमंत्री हाट-बाजार क्लीनिक योजना को सराहा, कहा 'सभी के लिए स्वास्थ्य सेवा'

रायपुर। नीति आयोग ने छत्तीसगढ़ शासन द्वारा ग्रामीण और दूरस्थ अंचलों के लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराने के लिए संचालित मुख्यमंत्री हाट-बाजार क्लीनिक योजना की सराहना की है। नीति आयोग ने आज अपने ट्विटर हैंडल और फेसबुक पेज पर नारायणपुर में योजना के तहत आयोजित शिविरों की तस्वीर और जानकारी साझा कर इसे सभी के लिए स्वास्थ्य सेवा की संज्ञा दी है। नीति आयोग ने दोनों सोशल मीडिया पर शिविरों की जानकारी व तस्वीर पोस्ट कर उल्लेखित किया है कि आकांक्षी जिला नारायणपुर में संचालित मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लीनिक योजना में लगने वाले 15 हाट बाजारों में 14,711 मरीजों का इलाज किया गया है। शिशुओं का वैक्सीनेशन और गर्भवती महिलाओं की जांच भी की जाती है।

कोविड अनुग्रह राशि के लिए 17 मार्च तक की जा सकती है अपील

दुर्ग। जिले में कोविड 19 से मृत्यु उपरांत मृतक के परिजनों को अनुग्रह राशि दिलायी गई है। जिले में कुछ ऐसे भी आवेदन प्राप्त हुए थे जिसमें कोविड 19 की मृत्यु संबंधी वैधानिक दस्तावेज नहीं होने के कारण ऐसे आवेदनों को अपात्र किया गया है। ऐसे आवेदकों से पुन: अपील की जाती है कि यदि उने पास कोई कोविड 19 से मृत्यु पुष्टि की वैधानिक दस्तावेज हो तो अपना अभ्यावेदन 17 मार्च समय शाम 4:00 बजे तक अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी कार्यालय कक्ष क्रमांक 31 में प्रस्तुत कर सकते हैं। उक्त तिथि के पश्चात अभ्यावेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा।

सीएम को लेकर फैसलाः धामी को बुलाया गया दिल्ली

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के नए मुख्यमंत्री पर मंगलवार को फैसला हो सकता है। पुष्कर सिंह धामी और प्रदेश के भाजपा अध्यक्ष मदन कौशिक को दिल्ली बुलाया गया है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और संगठन राष्ट्रीय महासचिव बीएल संतोष से मुलाकात करेंगे। उत्तराखंड विधानसभा चुनाव में भाजपा ने सत्ता में वापसी की है। विधानसभा चुनावों में खटीमा सीट पर सीएम पुष्कर सिंह धामी की हार के बाद नए मुख्यमंत्री के नाम पर संशय को देखते हुए यह बैठक और ज्यादा महत्वपूर्ण हो गई है।

केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा 24 मार्च को नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में किया जाएगा सम्मान

प्रोजेक्ट 'उन्नति' के जरिए मनरेगा मजदूर से स्वरोजगार तक का सफर तय करने वाले प्रदेश के 6 श्रमिक होंगे सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत मनरेगा मजदूर से स्वरोजगार तक का सफर तय करने वाले प्रदेश के छह श्रमिकों का सम्मान किया जाएगा। वित्तीय वर्ष 2018-19 में मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) के अंतर्गत 100 दिनों का रोजगार हासिल करने वाले परिवारों के इन श्रमिकों को प्रोजेक्ट 'उन्नति' के माध्यम से कौशल विकास का प्रशिक्षण देकर स्वरोजगार के लिए तैयार किया गया है। इन सभी को अपने-अपने जिले में स्थित ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (R-SETI) में प्रशिक्षण प्रदान किया गया था। देश की आजादी के 75 वर्ष पूरे होने के मौके पर आयोजित आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत देश भर से प्रोजेक्ट 'उन्नति' के 75 हितग्राहियों को सम्मानित किया जा रहा है।

श्रीमती नीतू बाई साहू | श्रीमती फूलवंती कंवर | श्री कृष्णा कुमार सारथी | सुश्री गीतांजली ध्रुव | सुश्री ओमेश्वरी कंवर | श्री बिमल साव

केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा 24 मार्च को नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में प्रोजेक्ट 'उन्नति' में प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद मशरूम उत्पादन का स्वरोजगार करने वाली धमतरी जिले के धमतरी विकासखण्ड की भनपुरी ग्राम पंचायत की श्रीमती नीतू बाई साहू तथा मोमबत्ती बनाने का काम शुरू करने वाली सारंगपुरी पंचायत की श्रीमती फूलवंती कंवर को सम्मानित किया जाएगा। कौशल उन्नयन के बाद सिलाई का काम कर रही गरियाबंद जिले के फिंगेश्वर विकासखण्ड की लोहरसी की सुश्री गीतांजली ध्रुव और पतोरा पंचायत की सुश्री ओमेश्वरी कंवर को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा। आर-सेट्टी (R-SETI) में प्रशिक्षण लेकर बकरी पालन का व्यवसाय शुरू करने वाले कोरिया जिले के सोनहत विकासखण्ड के पोड़ी ग्राम पंचायत के श्री कृष्ण कुमार एवं मोबाइल रिपेयरिंग का काम कर रहे महासमुंद जिले के बसना विकासखण्ड के दुर्गापाली के श्री बिमल साव को भी नई दिल्ली में सम्मानित किया जाएगा।

प्रोजेक्ट 'उन्नति'

प्रोजेक्ट उन्नति केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय के मनरेगा डिवीजन द्वारा शुरू किया गया एक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम है, जो राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन और मनरेगा के परस्पर समन्वय से संचालित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य मनरेगा के अन्तर्गत कार्य कर रहे ग्रामीण परिवारों के सदस्यों को उनकी रूचि के आधार पर प्रशिक्षण देकर उन्हें रोजगार एवं स्वरोजगार के काबिल बनाना है। इसके तहत वित्तीय वर्ष 2018-19 में 100 दिनों का रोजगार हासिल करने वाले परिवार के किसी एक सदस्य को जिनकी आयु 18 से 45 वर्ष के बीच है, स्वरोजगार के लिए प्रशिक्षण मुहैया कराया जाता है।

जल संसाधन विभाग में 400 पदों पर होगी भर्ती 8 मई को परीक्षा, ऑनलाइन जमा होंगे आवेदन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सरकारी नौकरी की तलाश कर रहे बेरोजगारों के लिए सुनहरा मौका है। छत्तीसगढ़ जल संसाधन विभाग में 400 पदों पर भर्ती निकाली गई है। विभाग में सब इंजीनियर (सिविल) बैकलॉग के 18 पद व सब इंजीनियर (सिविल) नियमित 382 पदों पर भर्ती की जाएगी। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल (व्यापमं) द्वारा 8 मई को इसके लिए परीक्षा ली जाएगी। व्यापमं ने इसका नोटिफिक्रेशन जारी कर दिया है।

छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल, रायपुर के नियंत्रक डॉ. सुधीर उपरीत द्वारा जारी नोटिफिक्रेशन के अनुसार 8 फरवरी 2022 को जल संसाधन विभाग के प्रस्ताव के आधार पर व्यापमं इन पदों को भरने परीक्षा लेगी। जल संसाधन विभाग में नौकरी के लिए छत्तीसगढ राज्य का मूल निवासी होना अनिवार्य है। इन पदों पर भर्ती के लिए सिविल इंजीनयरिंग की डिग्री होनी जरूरी है। आयु सीमा 40 वर्ष से कम रखी गई है। वहीं इन पदों पर निर्धारित नियमों के मुताबिक आरक्षण का लाभ भी मिलेगा। चयनित होने पर सातवें वेतनमान अनुसार 35,400/- रुपये सैलरी मिलेगी। परीक्षा 8 मई को प्रदेश के संभाग मुख्यालयों रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, सरगुजा और बस्तर में होगी।

जल संसाधन विभाग में भर्ती संबंधी अधिक जानकारी व्यापमं की आधिकारिक वेबसाइट https://vyapam.cgstate.gov.in पर उपलब्ध है। वहीं विभाग द्वारा आवेदन शुल्क भी तय किया है। विभाग के अनुसार सामान्य वर्ग को आवेदन करने के लिए 350 रुपये, ओबीसी को 250 रुपये और एससी-एसटी वर्ग के उम्मीदवारों को 200 रुपये आवेदन शुल्क लगेगा।

आरोप-प्रत्यारोपः 'द कश्मीर फाइल्स' नहीं देखने दे रही कांग्रेस सरकार, भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल का आरोप

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ तानाशाह राज्य बन गया है। कांग्रेस नीत राज्य सरकार जनता को फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स' देखने से रोक रही है। वह राज्य के थिएटर मालिकों को धमका रही है कि फिल्म प्रदर्शित न की जाए। प्रदेश कांग्रेस ने इन आरोपों का खंडन किया है। ये आरोप छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ भाजपा नेता और विधायक बृजमोहन अग्रवाल ने लगाए हैं। अग्रवाल ने कहा कि पूरे राज्य में सिर्फ तीन थिएटरों में यह फिल्म दिखाई जा रही है। जहां दिखाई जा रही है, उन थिएटरों के मालिकों को भी इसे हटाने के लिए धमकाया जा रहा है।

लगा रहे हाउसफुल का बोर्ड

अग्रवाल ने यह भी आरोप लगाया कि सिनेमाघरों में इस फिल्म के टिकट भी नहीं बेचे जा रहे हैं और हाउसफुल के बोर्ड लगाए जा रहे हैं, ताकि लोग यह फिल्म न देख सकें। अग्रवाल का कहना है कि देश के लोगों का यह अधिकार है कि वे कश्मीर की सचाई से रूबरू हों। छत्तीसगढ़ की सत्तारूढ कांग्रेस पार्टी राष्ट्र विरोधी है या राष्ट्र समर्थक?

भाजपा के वरिष्ठ नेता ने आरोप लगाया कि छत्तीसगढ़ तानाशाह राज्य बन गया है, जहां पत्रकारों को गिरफ्तार किया जा रहा है और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की हत्या की जा रही है। यह फिल्म दिखाती है कि कैसे कश्मीर का बंटवारा हुआ। बंटवारे के लिए कांग्रेस जिम्मेदार है। लाखों कश्मीरी पंडितों को अपना घर छोड़ने के लिए मजबूर किया गया, महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार किया गया।

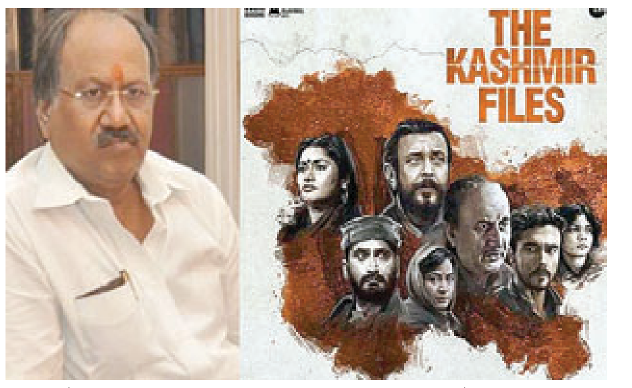

अग्रवाल के आरोप झूठे, कोई पाबंदी नहीं : शुक्ला

उधर, भाजपा नेता अग्रवाल के आरोप पर प्रतिक्रिया देते हुए, छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि बृजमोहन अग्रवाल झूठ बोल रहे हैं। हमारी सरकार द्वारा फिल्म पर किसी भी तरह का कोई प्रतिबंध नहीं लगाया गया है। फिल्म सिनेमाघरों में चल रही है और लोग इसे अपनी मर्जी से देखने के लिए स्वतंत्र हैं। वास्तव में, हम चाहते हैं कि लोग जाएं और फिल्म देखें और समझें कि देश में स्थिति तब पैदा हुई जब वीपी सिंह प्रधानमंत्री थे और भाजपा उनके समर्थन में थी। जम्मू और कश्मीर के राज्यपाल उस समय एक भाजपा नेता थे और राज्य में राष्ट्रपति शासन था, जिसका अर्थ है कि भाजपा परोक्ष रूप से राज्य पर शासन कर रही थी।

हिजाब विवादः कर्नाटक हाईकोर्ट का बड़ा फैसला, धर्म का अनिवार्य हिस्सा नहीं हिजाब

बेंगलुरू (एजेंसी)। हिजाब विवाद पर कर्नाटक हाईकोर्ट ने अपना फैसला सुनाया है। कोर्ट ने छात्राओं की याचिका को खारिज करते हुए कहा है कि हिजाब धर्म का अनिवार्य हिस्सा नहीं है। स्कूल-कॉलेज में छात्र यूनिफॉर्म पहनने से मना नहीं कर सकते हैं। कोर्ट ने कहा कि इस्लाम में हिजाब पहनना अनिवार्य नहीं है।

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने इस ममाले में 25 फरवरी को सुनवाई पूरी कर ली थी। साथ ही कोर्ट ने अपना फैसला भी सुरक्षित रख लिया था। फैसले को देखते हुए एहतियातन दक्षिण कन्नड़ के जिला कलेक्टर ने आज (15 मार्च) सभी स्कूलों और कॉलेजों में छुट्टी का आदेश दिया है। इसके साथ ही धारा 144 भी लागू की गई है।

क्या है विवाद का कारण

कर्नाटक सरकार ने राज्य में कर्नाटक एजुकेशन एक्ट-1983 की धारा 133 लागू की थी। इसके तहत सभी स्कूल-कॉलेज में यूनिफॉर्म अनिवार्य कर दी गई है। ऐसे में सरकारी स्कूलों और कॉलेजों में तय यूनिफॉर्म ही पहननी होगी। वहीं, प्राइवेट स्कूल भी अपनी यूनिफॉर्म चुन सकते हैं। जानकारी के मुताबिक, कर्नाटक में हिजाब को लेकर विवाद की शुरुआत जनवरी 2022 के दौरान हुई थी। उस वक्त उडुपी के एक सरकारी कॉलेज में छह छात्राएं हिजाब पहनकर कॉलेज पहुंच गई थीं। बताया जा रहा है कि कुछ दिन पहले ही कॉलेज प्रशासन ने छात्राओं को हिजाब पहनने के लिए मना किया था। इसके बावजूद छात्राएं हिजाब पहनकर पहुंचीं। उन्हें रोका गया तो दूसरे कॉलेजों में भी विवाद होने लगा।

संपादकीय

युद्ध में तेजी

रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध बढ़ता चला जा रहा है और अब तो नाटो देशों की दहलीज पर रूस धमाके करने लगा है। रूस का हठ है कि यूक्रेन जल्दी से जल्दी झुक जाए और यूक्रेन सहित अन्य देशों की कोशिश है कि रूस तत्काल युद्ध को रोके। चिंता इस खबर से भी बढ़ गई है कि रूस ने चीन से मदद मांगी है। एक युद्धरत देश को पैसे की भी जरूरत होती है और हथियार या तकनीकी मदद की भी। अमेरिका का दावा है कि रूस ने चीन से एक खास उपकरण की मांग भी की है। हालांकि, यह उपकरण पर्याप्त मात्रा में चीन के पास नहीं है। क्या चीन आगे बढ़कर रूस की मदद करेगा? अभी जो स्थिति है, उसमें चीन कूटनीतिक रूप से रूस की मदद कर रहा है, लेकिन अगर वह सैन्य मदद के लिए भी आगे आता है, तो यह युद्ध और गंभीर हो जाएगा।

> यह हर तरह से हमारे हित में है कि युद्ध जल्द से जल्द खत्म हो। हम अपने सभी इच्छुक छात्रों को वापस ले आए हैं, लेकिन हमारी चुनौतियां बरकरार हैं। हमें विकल्प की तलाश करनी चाहिए, क्योंकि आने वाले समय में मुमकिन है कि रूस मदद करने की स्थिति में नहीं हो। जाहिर है, घरेलू स्तर पर बड़े पैमाने पर रक्षा में निवेश करना होगा। ऐसे निवेश से भारत में रोजगार को भी बल मिलेगा और हमारी सैन्य ताकत भी बढ़ेगी। अगर हम समय के साथ चलें, तो यह वैश्विक आपदा भी खुद को मजबूत करने का अवसर ही है।

रूस की जरूरत अभी खुलकर सामने नहीं आई है, लेकिन देर-सबेर उसे मदद की जरूरत पड़ेगी और उसे चीन से ही सर्वाधिक उम्मीद रहेगी। विगत वर्षों में रूस और चीन के बीच घनिष्ठता बहुत बढ़ गई है। दोनों एक-दूसरे की सुरक्षा के लिए अगर आगे आ जाएं, तो आश्चर्य नहीं। हालांकि, चीन के लिए यह आसान नहीं है। जिस प्रकार से रूस पर प्रतिबंध लगे हैं, उसमें कोई भी देश खुलकर उसकी मदद की स्थिति में नहीं है और छिपकर मदद करना भी आसान नहीं है। अमेरिका कड़ी निगाह रखे हुए है, अत: चीन को अपना अगला कदम काफी सोच-विचारकर उठाना होगा। जब अमेरिका और यूरोप के साथ संबंध चीन की अर्थव्यवस्था के लिए बहुत अधिक महत्वपूर्ण हैं, तब वह अपने एक प्रमुख रणनीतिक साझेदार रूस का समर्थन कैसे कर सकता है? वैसे अमेरिका और यूरोपीय देशों को यह शंका है कि चीन द्विपक्षीय संधि के तहत रूस की तकनीकी मदद कर सकता है। विशेषज्ञ यहां तक कहते हैं कि चीन के लिए यूरोपीय संघ के साथ आर्थिक संबंध रूस के मुकाबले कहीं अधिक महत्वपूर्ण हैं। फिर भी अगर चीन युद्ध में उतरता है, तो करीब 1,200 अमेरिकी सैनिक तैयार खड़े हैं। जहां रूस के हमले तेज होते जा रहे हैं, वहीं अमेरिकी बेचैनी भी बढ़ती चली जा रही है। ऐसे में, किसी भी तीसरे देश का रूस की मदद के लिए उतरना भयावह रूप ले लेगा।

बहरहाल, चीन पूरी सावधानी के साथ चल रहा है। उसे दोस्त की भी परवाह है और दुनिया की भी। चीन ने अमेरिका, यूरोप और अन्य पश्चिमी सहयोगियों के साथ-साथ जापान व ताइवान जैसी एशियाई अर्थव्यवस्थाओं द्वारा प्रतिबंधों के बावजूद रूस और यूक्रेन, दोनों के साथ सामान्य व्यापार बनाए रखने का वादा किया है। क्रीमिया पर रूस के आक्रमण के बाद साल 2014 में दोनों देशों ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत किया है। भारत की चिंता कुछ अलग है। रूस पर हमारी निर्भरता जगजाहिर है। युद्ध बढ़ने की स्थिति में भारत को सैन्य के अलावा आर्थिक रूप से भी नुकसान पहुंचेगा। यह हर तरह से हमारे हित में है कि युद्ध जल्द से जल्द खत्म हो। हम अपने सभी इच्छुक छात्रों को वापस ले आए हैं, लेकिन हमारी चुनौतियां बरकरार हैं। हमें विकल्प की तलाश करनी चाहिए, क्योंकि आने वाले समय में मुमकिन है कि रूस मदद करने की स्थिति में नहीं हो। जाहिर है, घरेलू स्तर पर बड़े पैमाने पर रक्षा में निवेश करना होगा। ऐसे निवेश से भारत में रोजगार को भी बल मिलेगा और हमारी सैन्य ताकत भी बढ़ेगी। अगर हम समय के साथ चलें, तो यह वैश्विक आपदा भी खुद को मजबूत करने का अवसर ही है।

> द्रमुक निश्चित तौर पर भाषा और स्थानीय पहचान की अपनी ताकत के बूते चुनाव में उतरेगा, लेकिन संसद में पर्याप्त सदस्यों को भेजने के लिए उसे अपनी रक्षा-पंक्ति को मजबूत करना होगा। संभवतः इसीलिए, द्रमुक खुद को एक ऐसे राजनीतिक दल के रूप में भी पेश करने लगा है, जो धर्म के खिलाफ नहीं है। उसके नेता अब नास्तिक होने की अपनी पुरानी पहचान से भरसक बचने की कोशिश करने लगे हैं।

एस श्रीनिवासन,वरिष्ठ पत्रकार

द्रविड़ राजनीति के लिए नए सबक

दशकों से तमिलनाडु की सत्ता पर काबिज द्रमुक और अन्नाद्रमुक का आधार द्रविड़ विचारकों की सामाजिक न्याय की अवधारणा रही है। यहां सन् 1967 में कांग्रेस सरकार का अंत हुआ था, जिसके बाद से द्रविड़ विचारधारा और कल्याणकारी राज्य संबंधी नीतियों का संगम ही मतदाताओं को लुभाता रहा है। पिछले दिनों उत्तर प्रदेश में भाजपा के हाथों समाजवादी पार्टी की हार ने हिंदुत्व की ताकत से मुकाबला करने की संयुक्त ओबीसी की सीमा को संभवत: उजागर कर दिया है। मगर तमिलनाडु में कहानी बिल्कुल अलग है।

यहां लोगों को गैर-द्रविड़ विकल्प मुहैया कराने के लिए विभिन्न राजनीतिक संगठनों ने वर्षों से कई प्रयास किए हैं। मगर यह कवायद जमीन पर सफल नहीं हो सकी है। इसीलिए, द्रविड़ विचारधारा आज भी निर्विरोध कायम है। इसके उलट, राज्य के अन्य दल द्रविड़ विचारधारा के नकलची या घटिया प्रतिरूप बनकर रह गए हैं। यहां के वामपंथी दल भी इसके अपवाद नहीं हैं। 1980 के दशक के अंत में वीपी सिंह और लालू प्रसाद यादव ने ओबीसी ताकत के बूते हिंदुत्व की लहर पैदा करने वाली कोशिशों को नाकाम किया था। 23 अक्तूबर, 1990 को लालू यादव ने बिहार के समस्तीपुर में लालकृष्ण आडवाणी को गिरफ्तार करके उनकी रथयात्रा बाकायदा रोक दी थी। इससे पहले वीपी सिंह पिछड़ी जातियों के मतों के बूते ही प्रधानमंत्री के पद तक पहुंच पाए थे।

इस बार मुलायम सिंह यादव के बेटे अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में ओबीसी मतों को एकजुट करने के लिए सामाजिक न्याय की अवधारणा को आगे बढ़ाया। उन्होंने गठबंधन बनाने के लिए गैर-यादव, गैर-जाटव दलितों और अन्य अति पिछड़े समुदायों को एक साथ लाने का प्रयास किया। उन्होंने किसान जैसे विभिन्न हित समूहों को भी अपने साथ जोड़ा। मुस्लिमों को पर्याप्त टिकट बांटे। मगर उनके तमाम प्रयास धरे रहे गए। तो क्या इसका अर्थ यह है कि सिर्फ सामाजिक एकता भगवा लहर को मात नहीं दे सकती?

सवाल यह भी है कि क्या तमिलनाडु में द्रमुक के लिए इसमें कोई सबक है? भाजपा बरसों से राज्य की राजनीति में पैर जमाने की कोशिश कर रही है। बेशक, उसको अब तक बहुत सफलता नहीं मिल पाई है, लेकिन हाल के स्थानीय निकाय चुनावों में अकेले मैदान में उतरने के बावजूद उसके वोट प्रतिशत में करीब छह फीसदी की वृद्धि देखी गई है। उत्तर प्रदेश की अभूतपूर्व सफलता ने तमिलनाडु में भाजपा कार्यकर्ताओं और उसके समर्थकों का उत्साह बढ़ा दिया है। इसका मुकाबला द्रमुक पार्टी आखिर कैसे करेगी?

द्रविड़ विचारधारा की सफलता के कई कारण हैं। बेशक, ओबीसी मतों की एकजुटता इस आंदोलन का आधार है, फिर भी कई ऐसे अन्य कारक हैं, जो इसे एक अजेय राजनीतिक मंच बनाते हैं। ये स्वाभिमान आंदोलन हैं, जिनसे सामाजिक परिवर्तन हुए। मध्याह्न भोजन, एक रुपये किलो चावल व अन्य नई योजनाओं ने न केवल यहां के पोषण स्तर में सुधार किए, बल्कि स्कूलों में नामांकन बढ़ाने का काम भी किया। शिक्षा पर लगातार ध्यान दिए जाने से कुशल कार्य-बल बना, जिसने निर्माण-कार्य और सेवा, दोनों ही मामलों में उद्योगों की मदद की।

यहां स्वास्थ्य देखभाल और गरीबों के लिए घर जैसी अन्य कल्याणकारी योजनाओं ने न केवल सकल नामांकन अनुपात में वृद्धि की और कई सामाजिक संकेतकों में राज्य को शीर्ष पर पहुंचाया, बल्कि इसने राज्य की माली हालत सुधारने में भी मदद की। सरकार और सत्तारूढ़ दल ने मिलकर काम किया, ताकि समाज के अंतिम छोर तक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों को मिले। हालांकि, मुफ्त टेलीविजन, मिक्सर, ग्राइंडर जैसी कुछ लोक-लुभावन योजनाओं की अर्थशा्त्रियों के एक तबके ने तीखी आलोचना भी की, लेकिन मुफ्त की ऐसी योजनाएं वास्तव में कई आम लोगों का जीवन बदलने में कामयाब रही हैं।

यहां की राजनीति का सिनेमा से भी हमेशा करीबी रिश्ता रहा है। बुद्धिजीवी इस पर नाक-भौं भले सिकोड़ते रहे हों, मगर इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि द्रविड़ नेता जनता के साथ संवाद करने के लिए सिनेमा का प्रभावी ढंग से उपयोग करना जानते हैं। द्रविड़ विचारक जनसंचार के विस्फोट से बहुत पहले इस माध्यम के महत्व को जान गए थे। इसीलिए, राज्य की तमाम पार्टियां फिल्म की ताकत से परिचित हैं। यहां तक कि भाजपा ने भी, जो वैचारिक पक्षधरता की कसमें खाती रहती है, सुपरस्टार रजनीकांत की मदद से 2016 में राज्य की राजनीति में प्रभावी ढंग से प्रवेश करने का प्रयास किया था, मगर 2021 में उसे इससे पीछे हटना पड़ा, क्योंकि रजनीकांत ने सक्रिय राजनीति में शामिल न होने का एलान कर दिया। तब से पार्टी राज्य में खुद को फिर से स्थापित करने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगाए हुए है। यह जमीन पर लगातार काम कर रही है, ताकि बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं और प्रबंधकों का एक नेटवर्क बना सके। राज्य के छोटे-छोटे सामाजिक समूहों के साथ गठबंधन बनाने की भी यह कोशिश कर रही है। स्थानीय नेताओं को तवज्जो देकर भाजपा उत्तर भारतीय पार्टी होने की अपनी छवि को भी तोड़ने का प्रयास कर रही है। एक कोशिश द्रमुक को अपनी तरफ लुभाने की भी हो रही है। बहरहाल, स्टालिन की छवि को अब कहीं ज्यादा आगे बढ़ाने की जरूरत इसलिए आन पड़ी है, क्योंकि भाजपा प्रधानमंत्री मोदी को आगे करके हमला बोलती है, विशेषकर जब चुनाव लोकसभा के हों। द्रमुक निश्चित तौर पर भाषा और स्थानीय पहचान की अपनी ताकत के बूते चुनाव में उतरेगा, लेकिन संसद में पर्याप्त सदस्यों को भेजने के लिए उसे अपनी रक्षा-पंक्ति को मजबूत करना होगा। संभवत: इसीलिए, द्रमुक खुद को एक ऐसे राजनीतिक दल के रूप में भी पेश करने लगा है, जो धर्म के खिलाफनहीं है। उसके नेता अब नास्तिक होने की अपनी पुरानी पहचान से भरसक बचने की कोशिश करने लगे हैं।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

युद्ध और महामारी के बीचे हमने क्या कुछ सीखा

नंदितेश निलय,समाज विज्ञानी

लगभग 1.4 अरब लोगों के साथ दुनिया का दूसरा सबसे अधिक आबादी वाला देश भारत स्वास्थ्य पर अपने सकल घरेलू उत्पाद का केवल 3.5 प्रतिशत खर्च करता है। वैश्विक औसत 9.8 प्रतिशत और ब्राजील (9.5 प्रतिशत), दक्षिण अफ्रीका (8.2 प्रतिशत) और चीन (5.3 प्रतिशत) से यह कम है। भारत में डॉक्टरों और नर्सों का अनुपात विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा अनुशंसित मानकों से नीचे है। आज दो देश युद्ध में फंसे हैं और अभी भी सारा विश्व महामारी के चपेट से बाहर नहीं आ पाया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की 5 मार्च, 2022 तक की रिपोर्ट के अनुसार, करीब 60 लाख मौतों की पुष्टि हुई है। ऐसे में, युद्ध और महामारी के बीच आदमी ने कुछ सीखा क्या? स्पेन के कवि पाब्लो नेरुदा ने ठीक ही कहा है कि जीवन के बुनियादी सवाल सबसे कठिन होते हैं। इसमें कोई शक नहीं कि महामारी ने मानवीय संबंधों की बनावट और सार को परिभाषित किया है, ताकि सेवा की भावना के संदर्भ में हमेशा मानवता का संदर्भ रहे।

उस महान एंग्लो-इंडियन लेखक मुल्क राज आनंद के साथ भी ऐसा ही हुआ था। वह साबरमती आश्रम में महात्मा गांधी से मिलने आए थे, उनका उद्देश्य अछूतों की स्थिति पर गांधी के विचार प्राप्त करना था। मुल्क राज इस विचार पर किताब लिखने की तैयारी कर रहे थे। उन्हें लंदन लौटना था, पर बापू ने उन्हें कुछ दिन और रहने व आश्रम की सफाई-व्यवस्था में शामिल होने की सलाह दी। मुल्क राज धूल फांकने में लग गए। बाद में उन्होंने महसूस किया कि सफाई के कार्य ने उन्हें परिष्कृत किया और पश्चिमी प्रभाव से निकालकर धरातल पर खड़ा कर दिया। 2002 में सकारात्मक मनोविज्ञान के दो अग्रदूत, एड डायनर और मार्टिन सेलिगमैन ने इलिनोइस यूनिवर्सिटी में निजी खुशी के सर्वेक्षण में दर्ज किए गए उच्चतम स्कोर वाले 10 प्रतिशत छात्रों पर अध्ययन किया था। उन्होंने पाया कि बहुत खुशी और अवसाद के सबसे कम लक्षण दिखाने वाले छात्रों की प्रमुख विशेषताएं- दोस्तों व परिवार से मजबूत संबंध और उनके साथ समय बिताने की प्रतिबद्धता थी।

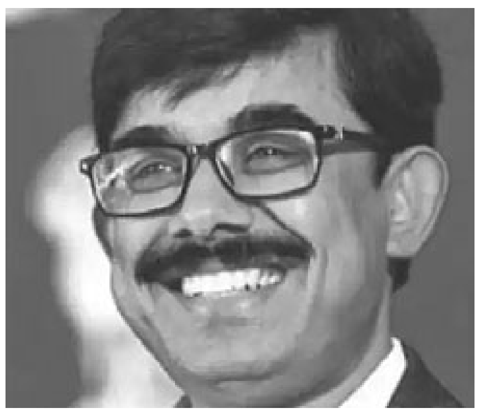

महामारी और युद्ध के बीच हमें यह समझने की जरूरत है कि मानव सभ्यता की संस्था एक रिश्ते की कहानी है। किसी की परवाह करना, उसकी सेवा करना किसी भी रिश्ते की निशानी रही है। हम एक पहचान से शुरू करते हैं और सामूहिक पहचान में विकसित होते हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि इस महामारी ने हमें खुद को परखने का मौका दिया है। सुकरात हमेशा मानते थे कि बिना जांचे-परखे जीवन जीने योग्य नहीं है। महामारी के बाद बहुत से लोगों ने अपने जीवन को नई रोशनी में परखा है।

यह बात छिपी नहीं है कि ग्राहक सेवा व निस्वार्थ सेवा के बीच भी दुनिया में ज्यादातर लोगों ने आर्थिक लाभांश को बढ़ते देखना पसंद किया है। जिन लोगों के बीच हम 30-40 साल बिता देते हैं, उनके बीच भी ऐसे चार-पांच लोग खोजने में मुश्किल आती है, जिनकी हमने नि:स्वार्थ भाव से सेवा की हो। हर समाज की यही कहानी है।

मनोवैज्ञानिक कैरल गिलिगन ने अपने प्रयोग से निष्कर्ष निकाला था कि देखभाल या सेवा से रिश्तों का निर्माण होता है। स्वामी विवेकानंद ने भी अपने जीवन से ही यही निष्कर्ष निकाला था। वह अपनी मां को याद करके चकित थे, मां परिवार में सभी सदस्यों और मेहमानों की सेवा के बाद ही भोजन करती थीं। जिस तरह से हमारे कोरोना योद्धा मानवता की सेवा करते रहे हैं, हम उम्मीद करते हैं कि सेवा भावना बाजार की भौतिकवादी जंजीरों से कुछ मुक्त होगी। निराश नहीं होना चाहिए। वर्ष 1885 में स्वतंत्रता सेनानी व्योमेश चंद्र बनर्जी ने कहा था, भारत एक बनता हुआ राष्ट्र है। बेशक, आज भी बन रहा है। क्या आने वाले दिनों में नागरिकता के मूल्य बिना किसी नकाब के चमकेंगे? रूस-यूक्रेन युद्ध भारत को भी सता रहा है। ध्यान रहे, पूरे मानव इतिहास में एक अनुमान के अनुसार, अब तक युद्धों में एक अरब से ज्यादा लोगों की जान गई है। आज भी लोग युद्ध में मर रहे हैं। हमें स्वयं से सवाल करना चाहिए कि आखिर कब हम लड़ना छोड़कर शांति व सद्भाव से रहना सीखेंगे? इंसानियत के मूल्यों को किसी पासपोर्ट की जरूरत नहीं होती और न ही कोई सरहद इन्हें रोक सकती है। महामारी ने मनुष्य से बहुत कुछ छीन लिया है, पर जीवन मूल्यों की दुनिया बनाने की सीख भी दी है। देखते हैं, हम सब आखिर कब सीखते हैं?

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे
9827806026, 7869620239

आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
अनुप ट्रेडर्स
सर्कुलर मार्केट, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

राज्य स्तरीय मानस मंडली प्रतियोगिता का आयोजन 10 अप्रैल तक

रायपुर। राज्य सरकार के संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग द्वारा राज्य स्तरीय मानस मंडली प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। मानस मंडली प्रतियोगिता 10 मार्च से प्रारंभ हुई यह प्रतियोगिता 10 अप्रैल तक चलेगी। राज्य स्तरीय मानस मंडली प्रतियोगिता के प्रथम चरण में ग्राम पंचायत स्तर पर प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। दूसरे चरण में ब्लाक स्तरीय, तीसरे स्तर पर जिला स्तरीय और चतुर्थ स्तर पर राज्य स्तर पर मानस मंडली प्रतियोगिता का आयोजन होगा। मानस मंडली प्रतियोगिता ब्लाक स्तरीय विजेता को प्रथम पुरस्कार 10 हजार रूपए, जिला स्तर के विजेताओं को 50 हजार रूपए, राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के विजेताओं को प्रथम पुरस्कार 5 लाख रूपए, द्वितीय पुरस्कार 3 लाख रूपए और तृतीय पुरस्कार 2 लाख रूपए प्रदान किया जाएगा।

रायपुर रेल मंडल में मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 56वीं बैठक संपन्न

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल में दिनांक 14.03.2022 को मंडल रेल प्रबंधक श्याम सुंदर गुप्ता की अध्यक्षता में मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति, रायपुर की 56वीं बैठक आयोजित की गई । रेलवे बोर्ड द्वारा जारी मानक कार्यसूची के अनुसार इस बैठक में अक्टूबर-दिसंबर 2021 तिमाही के दौरान मंडल में हुई राजभाषा प्रगति की समीक्षा की गई । सर्वप्रथम अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन) लोकेश विश्नोई ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि पत्राचार, नोटिंग, डिक्टेशन, निरीक्षण आदि कुछ ऐसे मद हैं जिनमें आपसे और भी अधिक सक्रिय सहयोग की अपेक्षा है । बैठक में प्रधान कार्यालय से विशेष रूप से आमंत्रित वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी विक्रम सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि जन सूचना से संबंधित बोर्ड आदि हिंदी-अंग्रेजी द्विभाषी रूप में बनाया जाना सुनिश्चित किया जाए । सरकारी कामकाज में सरल भाषा का प्रयोग करें ।

होली पर ब्रांडेड गुलाल को टक्कर देंगी ग्रामीण महिलाएं, स्वावलंबन की दिशा में बढ़ा रही कदम

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिहान महिलाएं दिन-रात हर्बल गुलाल तैयार करने में लगी

मोबाइल के ज़रिए भी मिलेगा हर्बल गुलाल

महासमुंद। इस बार होली को लेकर बिहान समूह से जुड़े महिलाओं के द्वारा हर्बल गुलाल तैयार किया जा रहा है। स्व सहायता समूह की स्वरोजगार से जुड़ी महिलाएं दिन-रात हर्बल गुलाल तैयार करने में लगी है। इस गुलाल को लगाने से जहां चेहरे पर कोई साइड इफेक्ट नहीं होता है। महिला स्व-सहायता समूह के जरिए तैयार किए जा रहे इन हर्बल गुलाल और हर्बल रंग की कई विशेषताएं हैं। इसमें फूलों के रंग का इस्तेमाल किया जाता है। इतना ही नहीं गुलाल और रंग में महक के लिए भी फूलों का ही इस्तेमाल किया जाता है। इसमें किसी भी तरह का केमिकल नहीं मिलाया जाता है, जो नुकसान करे।

यही वजह है कि इस गुलाल और रंग की डिमांड ज़िले सहित आसपास के ज़िलो में से भी आ रही है। वहीं, महिलाओं को घर बैठे स्वरोजगार भी उपलब्ध हो रहा है। महासमुन्द विकासखण्ड के ग्राम पंचायत बिरकोनी के माया महिला स्व सहायता समूह द्वारा पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी होली के लिए जड़ी, बुटी व फूलों से हर्बल गुलाल बनाने का कार्य कर रही है।

संस्था से जुड़ी 15 ग्रामीण महिलाओं के द्वारा होली के लिए हर्बल गुलाल बनाया जा रहा है। समूह की दीदी माया कश्यप ने बताया कि पिछले वर्ष सिर्फ़ एक दिवसीय प्रशिक्षण पाकर महिलाओं के द्वारा प्राकृतिक साग-भाजी, टेसू फूल, हल्दी, चुकंदर आदि से हाथों से इस हर्बल गुलाल को तैयार किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया है कि इस गुलाल का कोई साइड इफेक्ट नहीं है। महिलाएं घर बैठे इस अबीर को तैयार कर रही है ताकि उन्हें आर्थिक लाभ के साथ-साथ स्वरोजगार भी घर पर मिल रहा है। महिलाओं के लिए नई रोशनी बना ये मिशन एक समय आर्थिक रूप से दुर्बल इन महिलाओं के सामने भविष्य में अंधेरे के सिवा कुछ भी नहीं था। ऐसे में छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन इन लोगों के लिए नई रोशनी बनकर आया। आज ये महिलाएं इस योजना का लाभ लेते हुए न सिर्फ आर्थिक रूप से मजबूत हो चुकी हैं बल्कि अब दूसरों को भी आर्थिक रूप से मजबूत कर रही हैं।

माया समूह की महिलाओं ने बताया इसके अलावा पीला, संतरा, लाल एवं चंदन रंग के गुलाल का निर्माण किया जा रहा है। जिसका विक्रय स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा गौठान परिसर बिरकोनी के दुकान के माध्यम से किया जा रहा है। जंगलों-में जाकर टेसू फूल चुनकर उनका भी हर्बल गुलाल बनाया गया है। किंतु उसकी मात्रा कम है। सुश्री माया ने बताया कि हर्बल गुलाल का ऑर्डर स्व-सहायता समूह के मोबाईल नम्बर 93400-00982 में कॉल करके भी ले सकते है। हर्बल गुलाल बनाने में हल्दी, ईत्र, पलास का फूल एवं खाने का चुना आदि का उपयोग किया गया है। 100 ग्राम हर्बल गुलाल की क़ीमत मात्र 10 रुपए है। वर्तमान में समूह द्वारा लगभग 7 किलोग्राम गुलाल निर्मित किया जा चुका है और हर्बल गुलाल बनाने का कार्य किया जा रहा है।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी ज़िला पंचायत श्री एस. आलोक ने बताया कि समूह से जुड़ी महिलाओं को उनकी अभिरुचि और स्थानीय बाज़ार मांग और समय को देखते हुए विभिन्न कार्यों के प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा कई तरह के प्रशिक्षण दिया गया है ताकि महिलाएं घर बैठे ही स्वरोजगार से जुड़ सके हैं और उसका लाभ ले सकें। कुटीर उद्योग को बढ़ावा देने और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रशिक्षण दिए जा रहे है। उन्होंने कहा कि गोधन योजना के तहत ज़िले की गौठानो में मल्टीएक्टिविटी भी की जा रही है। उन्होंने बताया के जिले में स्व-सहायता की महिलाओं को उनकी अभिरुचि और स्थानीय बाजारू मांग के मुताबिक अन्य कार्यों के प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं। अन्य स्थानों पर महिलाएं अपने गांव में घरों में एक साथ बैठकर अरारोट और नेचुरल रंग से हर्बल गुलाल तैयार कर रहे हैं। इस हर्बल गुलाल को बाजार में बिक्री के बाद महिलाओं को काफी फायदा होगा और उन्हें घर बैठे स्वरोजगार भी मिलेगा, जिससे महिलाएं आत्मनिर्भर बनेगी। राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को प्रशिक्षित करके इस स्तर पर लाया जाता है कि उनके द्वारा तैयार किए गए माल को बाजार में एक अच्छी क्वालिटी के साथ बेचा जा सके। इसके लिए विभाग की तरफ से पूरा सहयोग किया जाता है। माल के लिए बाजार उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी भी विभाग की तरफ से पूरी की जाती है। इस बार होली के त्यौहार पर स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा तमाम प्रोडक्ट जिसमें हर्बल गुलाल-हर्बल रंग और इस त्यौहार पर बनने वाले चिप्स ,पापड़ और नमकीन को भी तैयार किया जा रहा।

सभापति ने बजट सामान्य सभा को लेकर सत्ता पक्ष एवं विपक्ष सहित निर्दलीय पार्षदों की बैठक ली

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के सभापति प्रमोद दुबे ने नगर निगम मुख्यालय महात्मा गॉधी सदन के प्रथम तल पर स्थित सभापति कक्ष में पृथक-पृथक रूप से नगर निगम रायपुर में सत्ता पक्ष कांग्रेस पार्षद दल, विपक्ष भाजपा पार्षद दल एवं निर्दलीय पार्षदों की बैठक नगर निगम सचिवालय 15 द्वारा मार्च 2022 को नगर निगम में आहूत निगम बजट संबंधी सामान्य सभा को लेकर बैठक बुलाई ।

सभापति प्रमोद दुबे ने बैठक में नगर निगम में सत्ता पक्ष कांग्रेस एवं विपक्ष भाजपा के पार्षदों सहित निर्दलीय पार्षदों से नगर निगम सचिवालय द्वारा 15 मार्च 2022 मंगलवार को प्रातः 11 बजे निगम मुख्यालय भवन महात्मा गॉधी सदन के चतुर्थ तल स्थित सामान्य सभा सभागार में आहूत नगर निगम की सामान्य सभा की बैठक के दौरान आचरण एवं व्यवहार के समय सामान्य सभा की गरिमा एवं सम्मान का विषेष ध्यान रखने का अनुरोध किया। सभापति दुबे ने सामान्य सभा में आने वाले नगर विकास संबंधी एजेण्डों पर जनहित में खुलकर चर्चा करने कहा। सभापति दुबे ने बताया कि महापौर एजाज ढेबर के नगर निगम के बजट वित्तीय वर्ष 2022-23 पर बजट अभिभाषण की प्रस्तुति के बाद बजट पर चर्चा करायी जायेगी। उसके पूर्व 15 मार्च को प्रातः 11 बजे आहूत बैठक प्रारंभ होगी एवं उसमें 1 घंटे की अवधि प्रष्नकाल के लिए निर्धारित है। इसके उपरांत निर्धारित प्रोटोकाल के अनुरूप नगर निगम रायपुर के मुख्यालय भवन महात्मा गॉधी सदन के चतुर्थ तल स्थित नगर निगम सामान्य सभा सभागार में प्रदेष की राज्यपाल सु अनुसुईया उइके का गरिमामयी आगमन होगा। प्रदेष की प्रथम महिला राज्यपाल का नगर निगम रायपुर के मुख्यालय भवन में नगर निगम सामान्य सभा में सुआगमन होने पर उनका नगर निगम द्वारा विषेष सम्मान प्रोटोकाल के अनुरूप किया जायेगा।

सभापति प्रमोद दुबे ने बताया कि यह पहला अवसर होगा जब नगर निगम नगरीय निकाय की सामान्य सभा में प्रदेष की प्रथम महिला राज्यपाल का आगमन होगा। राज्यपाल द्वारा इस अवसर पर विषेष रूप से मार्गदर्षन एवं आषीर्वचन दिया जायेगा। इसके पष्चात महापौर एजाज ढेबर नगर निगम के वित्तीय वर्ष 2022-23 के निगम बजट पर अपना अभिभाषण प्रस्तुत करेंगे।

सभापति प्रमोद दुबे द्वारा नगर निगम की बजट सामान्य सभा संबंधी बैठक को लेकर सत्ता पक्ष कांग्रेस पार्षद दल की बैठक में प्रमुख रूप से एमआईसी सदस्य सर्व समीर अख्तर, सुन्दर लाल जोगी, आकाष तिवारी, जितेन्द्र अग्रवाल, सुरेष चन्नावाल, सहदेव व्यवहार, श्रीमती नीलम नीलकंठ जगत, सर्व अनवर हुसैन, प्रकाष जगत, अमित दास, एल्डरमेन अफ्रोज अंजुम, सुनील छतवानी सहित जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

महिला मेट बन श्रीमती बलेश्वरी बनी महिलाओं की प्रेरणास्त्रोत

महिलाओं को जागरूक करने के साथ मनरेगा में महिलाओं की मजदूरी के द्वारा सृजित मानव दिवस में की वृद्धि

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। कृषक परिवार से संबंध रखने एवं कृषि के माध्यम से अपने परिवार के आजीविका का पालन-पोषण करने वाली ग्राम पंचायत पोड़ीछाल निवासी श्रीमती बलेश्वरी सिदार आज महात्मा गांधी नरेगा में मेट के रूप में कार्य कर अपने परिवार की आय में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। श्रीमती सिदार एक मेहनती एवं साहसी महिला है इसका उदाहरण है कि उन्होंने कोरोना संक्रमण के दौर भी रोजगारमूलक महात्मा गांधी नरेगा के कार्यो के संचालन में अपना अहम योगदान दिया।

यही कारण है कि आज श्रीमती बलेश्वरी सिदार ग्राम पंचायत पोड़ीछाल की महिलाओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत बन गयी है। श्रीमती सिदार के प्रयासों के फ्लस्वरूप ग्राम की महिलाओं में योजनाओं के प्रति जागरूकता तथा महिला सशक्तीकरण की दिशा में विस्तार हो रहा हैं।

जनपद पंचायत धरमजयगढ़, जिला-रायगढ़ में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजनान्तर्गत कई महत्वपूर्ण कार्य संपादित किये जा रहे है। सभी ग्राम पंचायतों में न केवल स्थायी परिसंपत्ति का निर्माण हो रहा है, साथ ही साथ लोगों की आजीविका में वृद्धि भी हो रही है एवं ग्रामीणों की अर्थव्यवस्था में परिवर्तन ला रही है। इसी क्रम में जनपद पंचायत धरमजयगढ़ के ग्राम पंचायत पोड़ीछाल में भी महात्मा गांधी नरेगा योजनांतर्गत कुल 336 पंजीकृत परिवार है। वित्तीय वर्ष 2020-21 में ग्राम पंचायत पोड़ीछाल के कुल सक्रिय 135 परिवारों को 12 हजार 164 मानव दिवस का रोजगार उपलब्ध कराया गया है। ग्राम पंचायत पोड़ीछाल में लोगों के बीच महात्मा गांधी नरेगा के प्रति जागरूकता लाने का कार्य मेट के रूप में कार्यरत श्रीमती बलेश्वरी सिदार द्वारा प्रभावी एवं निष्ठापूर्वक किया जा रहा है। श्रीमती बलेश्वरी सिदार स्व-सहायता समूह सदस्य मेट के रूप में विगत 02 वर्षों से अपनी सेवाएं दे रही है।

श्रीमती बलेश्वरी सिदार द्वारा लोगों को महात्मा गांधी नरेगा योजना के लाभ तथा कार्य के प्रति जागरूक किया गया जा रहा है, जिससे महात्मा गांधी नरेगा कार्यों में लोगों की भागीदारी में वृद्धि किया जा सके। वित्तीय वर्ष 2019-20 में ग्राम पंचायत पोड़ीछाल में कुल 5116 सृजित मानव दिवस था, वही मेट श्रीमती बलेश्वरी सिदार के प्रयासों तथा मेहनत से वित्तीय वर्ष 2020-21 में सृजित मानव दिवस 12 हजार 164 हो गया है। जिसमें महिलाओं मजदूरी के द्वारा सृजित मानव दिवस 5885 है। आंकडों से स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि महात्मा गांधी नरेगा योजनांतर्गत मेट के रूप श्रीमती सिदार द्वारा सराहनीय कार्य किया जा रहा है।

सरस्वती सायकल योजनांतर्गत 39 छात्राओं को किया गया सायकल का वितरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलरामपुर। शासकीय हाई स्कूल दलधोवा में सरस्वती सायकल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों के उपस्थिति में कुल 39 छात्राओं को सायकल का वितरण किया गया।

कार्यक्रम में विधायक प्रतिनिधि श्री विनोद तिवारी ने कहा कि क्षेत्र के बच्चों को आसानी से उच्च शिक्षा प्राप्त हो इसके लिए हाई स्कूल दलधोवा को उन्नयन कर हायर सेकेण्डरी तक करने तथा हॉस्टल निर्माण हेतु शासन को प्रस्ताव भेजा गया है। राज्यसभा सांसद प्रतिनिधि श्री धीरज सिंह देव ने छात्राओं को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी तथा उत्साह के साथ आगे की पढ़ाई करने को कहा। स्थायी शिक्षा समिति के भानु प्रकाश दीक्षित ने छात्राओं से कहा कि आप दो परिवार के भविष्य संवारने वाली हैं अतः पढ़ लिखकर ससुराल एवं मायके का नाम रोशन करें। कार्यक्रम में संस्था के प्राचार्य श्री श्याम लाल गुप्ता के द्वारा संस्था एवं संकुल से संबंधित जानकारी उपस्थित अतिथियों के समक्ष रखी गई एवं अतिथियों का अभिनंदन किया गया। शिक्षा अधिकारी जयगोविन्द ने उपस्थित अतिथियों को विभागीय जानकारी देते हुए उनका आभार प्रदर्शन किया।

A quality Digital Photoshop
Laxmi photo studio
Adarsh Nagar, DURG (C.G.)
9039553151, 9993564499
E-mail - laxmistudio2004@gmail.com

(VISHAL) Mobile No. 7000536728
SHREE MOBILE
Kasaridih, Sai Mandir Road, Near Raja Fire Works
Azad Chowk, Durg (C.G.)
Email ID : vishalrohda99@gmail.com
♦ Buy ♦ Sell ♦ Purchase
(All Second Hand Mobile Available)

MENS Clothing
A COMPLETE MEN'S FASHION STORE
Shahrukh Quraishy
8818880051
Infront Of National Steel,
Maharaja Chowk, Durg (C.G.) 491001
E-mail.:- shahrukhquraishy786@gmail.com

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65
Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

Jeans, Trousers, Shirts, T-shirts, Top, Legis, Suits & All Types of Mens & Ledies Wears
Rock Star
Girls & Mens Wear
Kishan Ahuja
9300628876
Maharja Chowk, opp. Oriental Bank, Borsi,Road, Durg (C.G.)

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

SHRI SAI
COMMERCE COACHING
A Complete Commerce Solution
ONLINE CLASS XI[th] XII[th] B.COM CA/CS/CMA
Registration Open
KHOOBI SIR- Director
Sirsa Road, Kohka, Bhilai, Mo.-98935-82241
www.shri.sai.commercecoaching.com

खास खबर

संस्कृति विभाग द्वारा 'आकार-2022' का आयोजन : पारंपरिक शिल्प और विविध कलाओं पर 21 मार्च तक चलेगा प्रशिक्षण शिविर

रायपुर। राज्य शासन द्वारा पारंपरिक शिल्प व विविध कलाओं के संरक्षण, प्रचार-प्रसार, जागरूकता तथा रूचि जागृत करने के लिए आर्यभट्ट शोध संस्थान के सहयोग से संस्कृति विभाग द्वारा आकार- 2022 का आयोजन किया जा रहा है। युवाओं को पारंपरिक शिल्प कलाओं का प्रशिक्षण 13 मार्च से दिया जा रहा है, जो 21 मार्च तक चलेगा। यह शिविर महंत घासीदास स्मारक परिसर संग्रहालय रायपुर में संचालित की जा रही है। शिविर में पारंपरिक शिल्प तथा विविध कलाओं जैसे बांस शिल्प, मधुबनी आर्ट, काष्ट कला, चित्रकला, रजवार भित्ती, गोदना आर्ट, नाटक, नृत्य, टेरोकोटा, जापान पेपर कटिंग, क्ले आर्ट, पैरा आर्ट, ग्लास पेंटिंग, ड्राई फ्लावर मेंकिंग, धान ज्वेलरी मेंकिंग और म्यूरल आर्ट का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण के बाद प्रशिक्षणार्थियों द्वारा निर्मित कलाओं का प्रदर्शन किया जाएगा। साथ ही प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र भी प्रदान किया जाएगा।

रायपुर में ऐसा मंदिर जहां की अखंड ज्योति से जलाते हैं होलिका, नहीं करते माचिस की तीली का उपयोग

रायपुर (ए)। राजा मोरध्वज ने जिस महामाया मंदिर की स्थापना की थी, वहां होलिका दहन पर अनोखी परंपरा निभाई जाती है। मंदिर में वर्षों से प्रज्ज्वलित हो रही अखंड ज्योति से अग्नि लेकर ही होलिका दहन किया जाता है। यहां तक कि इस होलिका दहन में मचिस की तीली का उपयोग नहीं किया जाता।

राजधानी रायपुर में महामाया मंदिर के पुजारी पंडित मनोज शुक्ला बताते हैं कि अखंड ज्योति से अग्नि लेकर होलिका दहन करने की यह परंपरा सालों से निभाई जा रही है। खास बात यह है कि मंदिर में होलिका दहन होने के बाद ही मंदिर के आसपास के इलाकों में दहन किया जाता है। होलिका दहन के बाद होलिका की अग्नि ले जाकर दूसरे जगह दहन करते हैं।

होलिका दहन में मुहूर्त को विशेष महत्व देते है, यदि भद्रा काल हो तो दहन तब किया जाता है, जब भद्रा काल समाप्त हो जाए। इस साल आधी रात तक भद्रा है, इसलिए होलिका दहन भी आधी रात बाद ही किया जाएगा। होलिका दहन से पहले प्रथम पूज्य भगवान गणेश, भगवान नृसिंह, प्रहलाद और बुआ होलिका की पूजा करके सुख समृद्धि की प्रार्थना की जाती है।इसके बाद पुजारीगण होलिका का दहन गर्भगृह में प्रज्वलित अखंड ज्योति से अग्नि लाकर जयकारे लगाते हुए होलिका दहन करते है। इसके बाद पुरानी बस्ती के लिली चौक, लोहार चौक, अमीनपारा चौक, बंधवापारा, लाखेनगर, कंकालीपारा, कुशालपुर, ब्रह्मपुरी सहित अन्य इलाकों में धूमधाम से होलिका दहन किया जाता है।

कंबल-तकिया नहीं दे रहा रायपुर रेलवे, पांच दिन पहले रेलवे बोर्ड ने दिया था आदेश

रायपुर (ए)। रायपुर रेल मंडल में पांच दिनों के बाद भी रेलवे बोर्ड का आदेश लागू नहीं हो पाया है। यहां यात्रियों को चादर-कंबल-तकिया नहीं मिल रहा है जबकि अन्य रेल मंडलों में ऐसी सुविधाएं शुरू हो चुकी है। रायपुर मंडल के अधिकारियों का कहना है कि पिछले दो साल से मशीन बंद है। उसे शीघ्र ही चालू करके यात्रियों को सुविधाएं मिलनी शुरू हो जाएगी।

बता दें कि रायपुर रेलवे मंडल से एक दिन में लगभग दर्जनभर ट्रेनें बनकर चलती हैं। कोरोना संक्रमण के दौरान यानी मार्च 2020 में यात्रियों की सुरक्षा व स्वास्थ्य को देखते हुए रेलवे ने चादर, कंबल और तकिया पर रोक लगा दी थी। वहीं, संक्रमण को रोकने के लिए ट्रेन के एसी कोच से पर्दे भी हटा दिए थे। कोविड संक्रमण में राहत मिलने के बाद जुलाई-2020 में यात्रियों को स्वयं ही अपना खाने-पीने का सामान साथ लेकर चलने के निर्देश दिए। रेलवे बोर्ड ने यात्रियों को राहत देने के लिए 10 मार्च को कंबल, चादर और तकिया देने का निर्देश दिया। लेकिन रायपुर रेलवे मंडल में ये सुविधाएं अभी शुरू नहीं हो पाई है।

अचानकमार टाइगर रिजर्वः पहली बार मादा बाइसन ने एक साथ दो शावकों को दिया जन्म

रायपुर (ए)। अचानकमार टाइगर रिजर्व एरिया में पहली बार मादा बाइसन ने एक साथ दो शावकों को जन्म दिया है। यहां ऐसा पहली बार हुआ है कि जब किसी मादा गौर ने दो शावकों को जन्म दिया है। विभाग के अफसरों का भी दावा है कि मादा बाइसन इस तरह से कभी-कभार जुड़वा शावक जन्म देती है। नन्हें शावकों का एक वीडियो भी सामने आया है। जिसे बिलासपुर के वन्य प्रेमियों ने अपने कैमरे में कैद किया है।

अचानकमार टाइगर रिजर्व एरिया में बाघ, तेंदुआ, बाइसन, हिरण जैसे 50 प्रजाति के वन्य प्राणी होने का दावा किया जाता रहा है। यही वजह है कि यहां वन्य जीवों की सुरक्षा और संख्या बढ़ाने के लिए 2007 में इसे बायोस्फीयर घोषित किया गया। फिर 2009 में बाघों की संख्या बढ़ाने के लिए अचानकमार अभ्यारण्य को टाइगर रिजर्व क्षेत्र घोषित किया गया। अचानकमार टाइगर रिजर्व की गिनती देश के 39 टाइगर रिजर्व में होती है।

दो वन्य प्राणी प्रेमी रविवार को अचानकमार के बारीघाट की ओर भ्रमण पर गए थे। इस दौरान उन्हें बाइसन का झुड दिखा। झुड में दो शावक और मादा बाइसन अलग चल रहे थे। जिसे देखकर दोनों वन्य प्रेमी हैरान रह गए। उन्होंने अपने कैमरे में उनका वीडियो बनाकर कैद कर लिया।

छत्तीसगढ़ का पहला मामला

वाइल्ड लाइफ बोर्ड के पूर्व सदस्य प्राण चड्डा ने बताया कि छत्तीसगढ़ में अचानकमार टाइगर रिजर्व में पहली बार रविवार की शाम बफर जोन में बारीघाट में सड़क पार करते समय बाइसन के जुड़वा शावक को रिकार्ड किया गया है। मां (मादा बाइसन) के साथ चल रहे दोनों शावक की समान उम्र और मदर के साथ बॉडी लैंग्वेज से साफ पता लग रहा है कि दोनों जुड़वा हैं। आम तौर पर बाइसन याने गौर मां एक बच्चे को ही जन्म देती है।

अचानकमार टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर सत्यदेव शर्मा ने बताया कि कुछ माह पहले ही यहां मादा बाइसन के जुड़वा शावक के जन्म देने की सूचना मिली थी। लेकिन, हमने इसे सार्वजनिक नहीं किया था। उन्होंने बताया कि आमतौर पर मादा बाइसन एक ही शावक को जन्म देते हैं। जुड़वा शावक जन्म देने के रेयर केस ही सामने आते हैं। अचानकमार टाइगर में ऐसा पहली बार हुआ है जब कि मादा बाइसन ने जुड़वा शावक को जन्म दिया है।

डिप्टी डायरेक्टर शर्मा ने बताया कि अचानकमार में बाघ, तेंदुआ, उड़न गिलहरी, जंगली सुअर, बायसन, चिलीदार हिरण, भालू, लकड़बग्घा, सियार, चार सिंग वाले मृग, चिंकारा सहित 50 प्रकार स्तनधारी जीव एवं 200 से भी अधिक विभिन्न प्रजातियों के पक्षी देखे जा सकते हैं।

जयस्तंभ चौक पर आदिवासियों ने भरी हुंकार, 23 सूत्रीय मांगों को लेकर आक्रोश

रायपुर (ए)। राजधानी रायपुर में हजारों की संख्या में विधानसभा घेरने निकले आदिवासियों को पुलिस ने परंपरागत स्थान यानि सप्रे शाला मैदान के पास रोका तो आदिवासी अड़ गए। नारेबाजी और हंगामे के बीच पुलिस ने संयम नहीं खोया। अधिकारी भी वहां पहुंच गए। आदिवासियों ने यहां एक मांग रखी।

इन्होंने कहा कि वे जयस्तंभ चौक जाकर शहीद वीर नारायण सिंह की प्रतिमा की पूजा करना चाहते हैं। पुलिस की अनुमति के बाद आदिवासी एक रैली के रूप में जयस्तंभ पहुंचे। वहां इन्होंने शहीद वीरनारायण सिंह की प्रतिमा की पूजा की। थोड़ी देर तक नारेबाजी करने के बाद ये वहां से लौट गए।

बता दें कि छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज ने अपने तय कार्यक्रम के तहत पहले धरना स्थल में सभा आयोजित किया। इसके बाद रैली निकालकर विधानसभा की ओर कूच कर दिया। हालांकि पुलिस ने पहले से ही माधवराव सप्रे शाला के पास प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए बेरीकेड लगाकर रखे थे।

इस बीच प्रदर्शनकारी जयस्तंभ चौक जाने के लिए अड़ गए। हंगामे को देखते हुए पुलिस ने भी बेरीकेड खोलकर इन्हें जयस्तंभ चौक जाने दे दिया। जहां प्रदर्शनकारियों ने शहीद वीर नारायण सिंह की प्रतिमा का पूजा-पाठ किया। इसके बाद अपनी मांग को लेकर नारेबाजी की। कुछ देर के बाद सभी प्रदर्शनकारी सीधे धरना स्थल की रवाना हो गए।

कोरोना से बचाने 12 से 14 वर्ष के बच्चों को भी लगाए जाएंगे टीके, 16 मार्च से होगी शुरूआत

वर्ष 2008, 2009 और 2010 में जन्मे बच्चों को लगाए जाएंगे टीके

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कोरोना से बचाव के लिए 12 से 14 वर्ष के बच्चों को भी टीके लगाए जाएंगे। प्रदेश में 16 मार्च से इसकी शुरूआत की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रदेश भर में इस आयु वर्ग के 13 लाख 21 हजार 286 बच्चों के टीकाकरण की तैयारी पूर्ण कर ली गई है। इसके लिए पात्र लाभार्थी कोविन एप पर अपना पंजीयन करा सकते हैं। कोरोना टीकाकरण की राज्य नोडल अधिकारी एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की संचालक डॉ. प्रियंका शुक्ला ने बताया कि 12 से 14 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को हैदराबाद स्थित बायोलॉजिकल-ई द्वारा निर्मित कॉर्बेवैक्स टीके लगाए जाएंगे। प्रथम डोज के चार सप्ताह के बाद इसका द्वितीय डोज लगाया जाएगा। इसके लिए सभी जिलों के टीकाकरण अधिकारियों का उन्मुखीकरण किया गया है।

डॉ. शुक्ला ने बताया कि राज्य में 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों के प्रिकॉशन डोज़ के लिए कोमोरबिडिटी की अनिवार्यता समाप्त कर दी गई है। इस आयु वर्ग के ऐसे लोग जिन्हें दूसरी खुराक लिए नौ महीने या 39 सप्ताह पूरे हो चुके हैं, वे अपनी तीसरी खुराक निकटतम कोविड टीकाकरण केंद्र में जाकर ले सकते हैं। पात्र नागरिक कोविन एप में पंजीयन कर तीसरा टीका लगवा सकते हैं। प्रदेश में कोविड टीकाकरण के लिए अभी दस लाख 64 हजार से अधिक टीके उपलब्ध हैं।

कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए प्रदेश के एक करोड़ 73 लाख 26 हजार 449 लोगों को दोनों टीके लगाए जा चुके हैं। वहीं 18 वर्ष से अधिक के लगभग सभी पात्र लोग कोरोना वैक्सीन का पहला टीका लगवा चुके हैं। इस आयु वर्ग के एक करोड़ 97 लाख 95 हजार 312 नागरिकों को कोरोनारोधी टीके की पहली खुराक दी जा चुकी है। वहीं एक करोड़ 65 लाख 80 हजार 649 लोगों को दोनों टीके लगाए जा चुके हैं।

राज्य में 15 से 18 वर्ष के 11 लाख 16 हजार 786 किशोरों को भी इसका पहला टीका लगाया जा चुका है। इस आयु वर्ग के 68 प्रतिशत बच्चों को पहला डोज लगाया जा चुका है, जबकि 45 प्रतिशत किशोरों को दोनों टीके लगाए जा चुके हैं। यहां सात लाख 45 हजार 800 बच्चों ने दोनों टीके लगवा लिए हैं। प्रदेश के चार लाख पांच हजार 018 स्वास्थ्य कर्मियों, फ्रंटलाइन वर्कर्स और 60 वर्ष से अधिक के नागरिकों को प्रिकॉशन डोज भी लगाया जा चुका है। कोरोना से बचाव के लिए राज्य में अब तक (13 मार्च 2022 तक) कुल तीन करोड़ 86 लाख 43 हजार 565 टीके लगाए गए हैं।

मंत्री अकबर के विभागों के लिए वित्तीय वर्ष में करीब 3 हजार करोड़ विधानसभा में ध्वनिमत से पारित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन, आवास एवं पर्यावरण, परिवहन तथा विधि-विधायी मंत्री मोहम्मद अकबर द्वारा विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए अपने विभागों से संबंधित 2 हजार 959 करोड़ रूपए की प्रस्तुत अनुदान मांगे ध्वनिमत से पारित की गई। इनमें न्याय प्रशासन एवं निर्वाचन के लिए 459 करोड़ 95 लाख रूपए, परिवहन विभाग के लिए 105 करोड़ 8 लाख रूपए, आवास एवं पर्यावरण विभाग के लिए 579 करोड़ 15 लाख रूपए और वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के लिए 01 हजार 814 करोड़ 91 लाख रूपए की राशि शामिल है।

वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री अकबर द्वारा विधानसभा में आज अपने विभागों के प्रस्तुत अनुदान मांगों पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ का 44.24 प्रतिशत भौगोलिक क्षेत्रफल वनों से आच्छादित है। भारतीय वन संरक्षण संस्थान के प्रतिवेदन वर्ष 2021 के अनुसार छत्तीसगढ़ राज्य वन आवरण की दृष्टि से देश में तीसरे स्थान पर है। यहां मुख्यतः आर्द्र एवं शुष्क साल और सौगोन प्रजाति के वनों के साथ ही साथ शुष्क मिश्रित वन एवं बांस के वन भी उपलब्ध हैं। प्रदेश में हमारी सरकार न केवल पर्यावरण को बचाने बल्कि प्रदेश के आदिवासी-वनवासियों की चिंता करते हुए उनके जीवन स्तर को सुधारने के लिए सतत् प्रयत्नशील है।

मंत्री अकबर ने कहा कि राज्य में वनों के संरक्षण, संवर्धन तथा उसके विकास पर विशेष जोर दिया गया है। साथ ही इसमें स्थानीय वनवासियों की सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा तथा उनके आय के साधन में वृद्धि के लिए पूरा-पूरा ध्यान रखा गया है। प्रदेश में वर्ष 2018-19 में तत्कालीन सरकार द्वारा मात्र 07 वनोपजों का भारत सरकार द्वारा निर्धारित

समर्थन मूल्य पर क्रय किया जाता था। राज्य सरकार द्वारा इसे बढ़ाकर वर्तमान में 65 लघु वनोपजों को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी की व्यवस्था की गई है। इसके परिणाम स्वरूप कोविड काल में भी छत्तीसगढ़ राज्य में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर पूरे देश का 77 प्रतिशत लघु वनोपज खरीद कर एक कीर्तिमान स्थापित किया है। राज्य में वर्ष 2020-21 के अंतर्गत अब तक 158 करोड़ रूपए मूल्य के वनोपज का संग्रहण किया गया है। इसके फलस्वरूप छत्तीसगढ़ को 11 विभिन्न राष्ट्रीय पुरस्कारों से भी नवाजा गया है।

मंत्री अकबर ने चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि राज्य में परिवहन विभाग के अंतर्गत अवैध परिवहन की रोकथाम और सड़क दुर्घटनाओं पर नियंत्रण तथा सुगम यातायात व्यवस्था आदि के लिए आवश्यक प्रावधान रखा गया है। परिवहन विभाग द्वारा जनहित में संचालित "तुंहर सरकार तुंहर द्वार" कार्यक्रम के अंतर्गत आम जनता को स्मार्ट कार्ड आधारित ड्रायविंग लायसेंस एवं वाहनों के पंजीयन प्रमाण पत्र संबंधी 22 सेवाओं का लाभ आवेदकों को घर बैठे पहुंचाया जा रहा है। गौरतलब है कि परिवहन विभाग द्वारा वर्ष 2021-22 में अब तक 955 करोड़ रूपए से अधिक राशि का राजस्व अर्जित किया गया है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा नवा रायपुर अटल नगर को लोगों की उम्मीदों के अनुरूप तेजी से विकास के लिए पर्याप्त प्रावधान रखा गया है।

मंत्री अकबर ने चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में पर्यावरण की गुणवत्ता में सुधार के लिए उच्च तकनीक और बेहतर प्रबंधन को विकसित करने तथा क्रियान्वयन के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य में चिमनी उत्सर्जन पर 24x7 निगरानी रखने के लिए 17 प्रकार के वायु प्रदूषणकारी प्रकृति के सभी उद्योगों में ऑनलाईन इमीशन मॉनिटरिंग सिस्टम की स्थापना कराई गई है। इसी तरह राष्ट्रीय परिवेशीय वायु गुणवत्ता मॉनिटरिंग प्रोग्राम के तहत 18 स्थलों (रायपुर-6, भिलाई-4, कोरबा-4, बिलासपुर-1 एवं रायगढ़-3) में परिवेशीय वायु गुणवत्ता मापन का कार्य हो रहा है। इसी तरह पर्यावरण संरक्षण के अधिनियमों एवं नियमों को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए मंडल के संगठनात्मक ढांचे में विस्तार किए जाने की कार्यवाही की जा रही है।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें :-
9303289950, 9827806026, 8962815243

खास खबर

'ब्रह्मास्त्र' से आलिया भट्ट का फर्स्ट लुक पोस्टर रिलीज

एक्ट्रेस आलिया भट्ट आज (15 मार्च) अपना 29वां जन्मदिन सेलिब्रेट कर रही हैं। इस खास मौके पर 'ब्रह्मास्त्र' के मेकर्स ने फिल्म से आलिया का फर्स्ट लुक पोस्टर रिलीज कर दिया है। साथ ही उनके लुक का एक मोशन वीडियो भी शेयर किया है। फिल्म में आलिया 'ईशा' के किरदार में नजर आने वाली हैं। अयान मुखर्जी के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में आलिया के अलावा रणबीर कपूर भी लीड रोल में हैं। वे फिल्म में 'शिवा' का रोल प्ले कर रहे हैं। आलिया-रणबीर दोनों के अलावा फिल्म में अमिताभ बच्चन, नागार्जुन और मौनी रॉय भी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह एक सुपरहीरो मूवी है, जिसे करन जौहर ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म को हिंदी के अलावा तेलुगू, तमिल, मलयालम और कन्नड़ भाषा में 9 सितंबर 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा।

'लॉक-अप' में सारा खान के एक्स हसबैंड अली की हुई वाइल्ड कार्ड एंट्री

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनोट के शो 'लॉक-अप' का हाल ही में प्रोमो रिलीज हुआ, जिसमें सारा खान के एक्स हसबैंड अली मर्चेंट वाइल्ड कार्ड एंट्री के रूप में नजर आए। एक्स हसबैंड को शो में देखकर जहां सारा शॉक रह गईं। वहीं अली काफी ज्यादा एक्साइटेड और खुश दिखे। बता दें सारा और अली ने रियलिटी शो बिग बॉस में एक-दूसरे संग निकाह किया था। लेकिन शो से निकलने के कुछ समय बाद दोनों एक-दूसरे से अलग हो गए।

पूजा बनर्जी ने शेयर की बेटी की पहली झलक

'कुमकुम भाग्य' फेम पूजा बनर्जी हाल ही में एक बेटी की मां बनी हैं। पूजा ने सोशल मीडिया के जरिए फैन्स को इस बात की जानकारी दी और अपनी बेटी की पहली झलक शेयर की। उन्होंने फोटो के कैप्शन में लिखा, यह एक ऐसी फीलिंग है, जिसे आप शब्दों में बयां नहीं कर सकते, हम हमारी नन्ही परी का अपनी लाइफ में स्वागत करके बहुत खुश हैं। साथ ही उन्होंने इसके साथ हैशटैग देते हुए लिखा, हमारी गुलाबो।

ब्रेकअप की खबरों के बाद पहली बार साथ नजर आए शमिता और राकेश

एक्ट्रेस शमिता शेट्टी और राकेश बापट ब्रेकअप की खबरों के बाद पहली बार एक अवॉर्ड शो में साथ नजर आए। अब दोनों की फोटो सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रही हैं। इन फोटोज में दोनों एक दूसरे का हाथ थामे नजर आ रहे हैं। फोटोज में जंहा शमिता ने ब्लैक आउटफिट और हाई हील्स पहन रखी है, वहीं राकेश ने उनके साथ मैचिंग ब्लैक आउटफिट कैरी किया है। यह फोटोज देख दोनों के फैन्स को लग रहा है कि उनके बीच सब कुछ ठीक है और उनके ब्रेकअप की खबरें महज अफवाह थीं।

निक्की तंबोली ने प्रतीक सहजपाल को शादी के लिए किया प्रपोज

निक्की तंबोली और प्रतीक सहजपाल हाल ही में टीवी के कॉमेडी रियलिटी शो 'द खतरा खतरा शो' में पहुंचे। शो में निक्की और प्रतीक को कई मजेदार टास्क साथ में करने थे। वहीं एक टास्क के दौरान निक्की ने प्रतीक से शादी करने की इच्छा जाहिर कर दी। इस बात से दोनों के फैन्स काफी खुश हैं। बता दें इस शो को कॉमेडियन भारती सिंह और उनके पति हर्ष लिम्बाचिया होस्ट कर रहे हैं।

हैप्पी बर्थडे आलिया: 10 साल के करियर में 15 में से 10 हिट फिल्में

28 साल की एक्ट्रेस की आगामी फिल्मों में लगा है 900 करोड़ का दांव

आलिया भट्ट 15 मार्च को 28 साल की हो चुकी हैं। आलिया पॉपुलर स्टारकिड्स में से एक हैं जिन्होंने अपने बेहतरीन अभिनय से एक अलग पहचान बनाई है। 10 साल के एक्टिंग करियर में आलिया ने करीब 15 फिल्मों में लीड रोल निभाया है जिसमें से 10 हिट, 2 फ्लॉप और तीन एवरेज रहीं हैं। इस साल उन पर करीबन 900 करोड़ का दांव लगा है। इनमें से 8 फिल्मों ने 100 करोड़ से ज्यादा और 2 फिल्मों ने 200 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन किया है।

आलिया सबसे पहले 1999 में फिल्म संघर्ष में बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट नजर आई थीं। इसके बाद उन्होंने 18 साल की उम्र में फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर से 2012 में बतौर लीड एक्ट्रेस डेब्यू किया था। हाईवे, डियर जिंदगी, राजी, गंगूबाई काठियावाड़ी जैसी फिल्में देकर आलिया सबसे ज्यादा हिट फीमेल सेंट्रिक फिल्में देने वाली एक्ट्रेस बन चुकी हैं।

कैसे मिली आलिया को पहली फिल्म

आलिया के डेब्यू का पूरा क्रेडिट करण जौहर को दिया जाता है। वो करण ही थे जिन्होंने सालों पहले आलिया को एक पार्टी में देखकर वजन कम करने की सलाह दी थी। 500 लड़कियों का ऑडिशन लेने के बाद आलिया को इस फिल्म में कास्ट किया गया था। इस फिल्म के लिए आलिया ने 16 किलो वजन घटाया था।

स्टूडेंट ऑफ द ईयर

59 करोड़ रुपए के बजट में तैयार हुई धर्मा प्रोडक्शन की इस फिल्म ने 105 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया था। न्यूकमर एक्टर्स वाली ये सबसे बड़ी ओपनर थी। इस फिल्म को 300 स्क्रीन्स पर रिलीज किया गया था। आलिया की पहली ही फिल्म ने 100 करोड़ क्लब में जगह बनाई थी। इस फिल्म के बाद आलिया को तीन बड़ी फिल्में हाईवे, 2 स्टेट और हंपटी शर्मा की दुल्हनिया फिल्में मिली थीं।

हाईवे

डेब्यू के दो साल बाद ही आलिया इम्तियाज अली के निर्देशन में बनी हाईवे में नजर आई थीं। इस फिल्म का पूरा भार आलिया भट्ट के कंधों पर था। फिल्म में यंग आलिया की एक्टिंग ने हर किसी का दिल जीत लिया। इस फिल्म के लिए आलिया को सुपरस्टार ऑफ टोमोरा का अवॉर्ड भी मिला।

2 स्टेट्स

साल 2014 में रिलीज हुई फिल्म 2 स्टेट में आलिया साउथ इंडियन अनन्या के रोल में अर्जुन कपूर के साथ दिखी थीं। ये आलिया की उस समय की सबसे बड़ी फिल्म थी।

हंप्टी शर्मा की दुल्हनिया

2014 में आलिया की तीसरी फिल्म हंप्टी शर्मा की दुल्हनिया रही। फिल्म में फिर आलिया और वरुण की जोड़ी देखने मिली जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया। 33 करोड़ में बनी इस फिल्म ने 4 गुना 119 करोड़ रुपए कमाए।

कपूर एंड संस

शानदार में खराब प्रदर्शन के बाद आलिया सिद्धार्थ मल्होत्रा और फवाद खान के साथ कपूर एंड संस में नजर आईं। शकुन बत्रा के निर्देशन में बनी ये फिल्म आलिया की 5 फिल्मों में से ये चौथी फिल्म थी जो 100 करोड़ क्लब का हिस्सा थी।

उड़ता पंजाब

2016 में आई फिल्म उड़ता पंजाब में फिर एक बार आलिया ने अपने बेहतरीन अभिनय से गहरी छाप छोड़ी। ये आलिया के करियर का पहला नॉन-ग्लैमरस रोल था। फिल्म में आलिया ने बिहार की माइग्रेंट वर्कर बउरिया के रोल में थीं। इसके लिए आलिया ने अपनी भाषा और लुक पर काफी कड़ी मेहनत की थी।

डियर जिंदगी

2016 में आलिया की तीसरी रिलीज कमिंग एज ड्रामा फिल्म डियर जिंदगी रही थी। फिल्म में आलिया कायरा के रोल में थीं जो एक सिनेमैटोग्राफर हैं। ब्रेकअप के बाद मुश्किलों का सामना कर रही कियारा जिंदादिल साइकोलॉजिस्ट जहांगीर को दिल दे बैठती है। 46 करोड़ में बनी इस फिल्म ने 136 करोड़ रुपए कमाए थे।

बद्रीनाथ की दुल्हनिया

2017 में रिलीज हुई फिल्म बद्रीनाथ की दुल्हनिया आलिया की पहली फिल्म है जिसने 200 करोड़ क्लब में एंट्री की थी। इस फिल्म ने 206 करोड़ का कुल कलेक्शन किया था।

राजी

2018 में आलिया स्पाई थ्रिलर फीमेल सेंट्रिक फिल्म राजी में दिखीं। फिल्म में आलिया सहमत नाम की ऐसी लड़की के रोल में थीं जिसकी खूफिया जानकारी हासिल करने के लिए पाकिस्तान में शादी करवाई जाती है। फिल्म में आलिया के अभिनय ने फिर तारीफें बटौरीं। फिल्म को 5 फिल्मफेयर अवॉर्ड मिले जिसमें बेस्ट एक्ट्रेस अवॉर्ड भी शामिल है।

गली बॉय

जोया अख्तर के निर्देशन में बनी गली बॉय ने 240 करोड़ का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन किया था। ये कुछ कुछ होता है के 21 साल बाद ऐसी फिल्म बनी जिसे सबसे ज्यादा अवॉर्ड मिले थे। भारत की तरफ से इस फिल्म को एकेडमी अवॉर्ड लिए भेजा गया, हालांकि इसे नॉमिनेट कर दिया गया था। ये आलिया के करियर की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म है।

गंगूबाई काठियावाड़ी

25 फरवरी 2022 में रिलीज हुई गंगूबाई काठियावाड़ी आलिया की चौथी फीमेल सेंट्रिक फिल्म थी। 100 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म ने महज 20 दिनों में 158 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है। फिल्म में आलिया ने कमाठीपुरा की माफिया क्वीन गंगूबाई का रोल प्ले किया है, जिसे जमकर तारीफें मिल रही हैं। इसे आलिया के करियर की सबसे बेहतरीन परफॉर्मेंस समझा जा रहा है।

द कश्मीर फाइल्स

शूटिंग के दौरान मेरे और विवेक अग्निहोत्री के खिलाफ हुआ था फतवा जारी: पल्लवी जोशी

विवेक अग्निहोत्री के डायरेक्शन में बनी फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स' बॉक्स ऑफिस पर खूब धमाल मचा रही है। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान विवेक की पत्नी और प्रोड्यूसर पल्लवी जोशी ने खुलासा किया कि शूटिंग के आखिरी दिनों में उनके खिलाफ एक फतवा जारी किया गया था। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि फिल्म की शूटिंग के समय टीम को कई मुश्किलों का सामना भी करना पड़ा था।

4 साल से चल रही थी फिल्म की तैयारी

पल्लवी ने कहा, फिल्म की शूटिंग हमारी पूरी जर्नी का एक छोटा सा हिस्सा थी। पूरी रिसर्च, लोगों तक पहुंचना, फिल्म के लिए पैसे जुटाना, एक्टर्स को फिल्म के लिए साथ लाना, यह सब कुछ हमारे लिए एक बड़ी चुनौती थी। इन सारी चीजों में फिल्म की शूटिंग करना हमारे लिए सबसे छोटा और आसान हिस्सा था। हमने इस फिल्म के लिए 4 साल समर्पित किए हैं, फिल्म की शूटिंग में तो सिर्फ 1 महीना ही लगा है।

आखिरी सीन की शूटिंग के समय हुआ था फतवा जारी

पल्लवी ने आगे कहा, शूटिंग के दौरान जो एक चीज हुई वो यह थी कि जब हम कश्मीर में फिल्म की शूटिंग कर रहे थे, तब हमारे नाम पर एक फतवा जारी किया गया था। सौभाग्य से जब हमारे नाम पर फतवा जारी हुआ था, तब हम अपने आखिरी सीन को शूट कर रहे थे। जब यह सब मुझे पता चला तब मैंने विवेक से कहा, 'चलो इस सीन को जल्दी से खत्म करते हैं और एयरपोर्ट के लिए निकलते हैं।' हम वैसे भी जा ही रहे थे, उस समय मैंने विवेक से कहा, 'कुछ कहते नहीं हैं और अभी शूटिंग पूरी करते हैं, क्योंकि फिर हमें यहां आने का दूसरा मौका नहीं मिलेगा'। पल्लवी कहती हैं, हमने उस सीन को जल्दी से खत्म किया और मैंने कुछ लोगों को होटल भेजकर कहा कि आप लोग पैकिंग करना शुरू करो। सब चीजों को बैग में रखो और सेट पर आ जाओ। हम यहीं से निकल जाएंगे। सिर्फ यही एक सबसे बड़ी चुनौती थी, जो हमने शूट के दौरान फेस की थी।

फतवा क्या होता है?

फतवा इस्लामी कानून, प्रथा या परंपरा के मामले पर एक कानूनी राय है। इसे आसान शब्दों में समझें तो इस्लाम से जुड़े किसी मसले पर कुरान और हदीस की रोशनी में जो हुक्म जारी किया जाता है, उसे फतवा कहते हैं। हालांकि इसे हर मौलवी या इमाम नहीं जारी कर सकता है। फतवा को हमेशा कोई मुफ्ती ही जारी करता है।

क्रिटिक्स-ऑडियंस दोनों से ही मिल रहे हैं फिल्म को पॉजिटिव रिव्यूज

कश्मीरी पंडितों पर बनी इस फिल्म को क्रिटिक्स और ऑडियंस, दोनों से ही पॉजिटिव रिव्यूज मिल रहे हैं। विवेक रंजन अग्निहोत्री के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में अनुपम खेर के अलावा मिथुन चक्रवर्ती, पल्लवी जोशी, प्रकाश बेलावड़ी, दर्शन कुमार, भाषा सुंबली, पुनीत इस्सर जैसे एक्टर्स भी लीड रोल में नजर आ रहे हैं।

राधे श्याम: फर्स्ट वीकेंड में 150 करोड़ रुपए का आंकड़ा किया पार, फिल्म का हिंदी वर्जन नहीं कर पा रहा अच्छा बिजनेस

एक्टर प्रभास और पूजा हेगड़े स्टारर 'राधे श्याम' 11 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। फिल्म को फैंस और क्रिटिक्स से मिक्स्ड रिव्यू मिल रहे हैं। इसके बाद भी फिल्म दुनियाभर में बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 3000 से भी ज्यादा स्क्रीन्स पर रिलीज हुई इस रोमांटिक-ड्रामा फिल्म ने 3 दिन यानी फर्स्ट वीकेंड में 150 करोड़ रुपए का आंकड़ा पार कर लिया है। इसके साथ ही फिल्म ने कई सारे रिकॉर्ड्स भी अपने नाम कर लिए हैं। हालांकि, फिल्म हिंदी में अच्छा बिजनेस करने में सफल नहीं हो पाई है।

फर्स्ट वीकेंड में कमाए 151 करोड़ रुपए

फिल्म के प्रोड्यूसर टी सीरीज ने पोस्ट शेयर कर बताया है कि फिल्म ने तीसरे दिन (रविवार) 32 करोड़ रुपए का वर्ल्ड वाइड ग्रॉस कलेक्शन किया है। इससे पहले फिल्म ने दूसरे दिन (शनिवार) 40 करोड़ और पहले दिन (शुक्रवार) को 79 करोड़ रुपए की वर्ल्ड वाइड ग्रॉस कमाई की थी। इस लिहाज से फिल्म ने 3 दिन यानी फर्स्ट वीकेंड में अब तक करीब 151 करोड़ रुपए का वर्ल्ड वाईड ग्रॉस बॉक्स ऑफिस कलेक्शन कर लिया है।

हिंदी वर्जन नहीं कर पा रहा अच्छा बिजनेस

रिपोट्र्क के मुताबिक, फिल्म का हिंदी वर्जन तीन दिन में 14 करोड़ रुपए का ही बिजनेस कर पाया है। फिल्म ने हिंदी में तीसरे दिन 5 करोड़, दूसरे और पहले दिन 4.5 करोड़ रुपए ही कमाए थे। फिल्म को 5 भाषाओं तेलुगु, हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज किया गया है। ट्रेड एनालिस्ट मनोबाला विजयबलन के मुताबिक, 'राधे श्याम' इस साल की सबसे बड़ी इंडियन ओपनर फिल्म भी बन गई है। फिल्म ने पहले दिन के कलेक्शन के मामले में 'पुष्पा' और 'भिमला नायक' का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया था।

आमिर खान के बेटे जुनैद बॉलीवुड में करने वाले है डेब्यू

बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान सोमवार को 56 साल के हो गए। इसी बीच आमिर खान ने अपने बर्थडे पर फैंस को सरप्राइज दिया है। एक इंटरव्यू में आमिर खान ने कहा कि, उनके बड़े बेटे जुनैद ने बी एक्टिंग को ही अपना करियर चुना है। आमिर ने खुलासा करते हुए आगे कहा कि, जुनैद यशराज के बैनर तले बनी नई फिल्म महाराजा से बॉलीवुड में एंट्री करने जा रहे हैं। इस फिल्म में जुनैद एक पत्रकार की भुमिका में नजर आएंगे। आमिर ने आगे कहा कि, जुनैद की शुरू से ही सिनेमा में दिलचस्पी रही है और इसलिए उनके बेटे थिएटर की पढ़ाई करने के लिए अमेरिका के लॉस एंजेलिस चला गया।

43 की उम्र में कनिका कपूर कर रही हैं दूसरी शादी मई में एनआरआई-बिजनेसमैन संग लेंगी सात फेरे

'बेबी डॉल' फेम सिंगर कनिका कपूर दूसरी बार शादी के बंधन में बंधने के लिए तैयार हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक कनिका इस साल मई में एक एनआरआई-बिजनेसमैन संग सात फेरे लेने वाली हैं। हालांकि उनकी शादी की तारीख अभी सामने नहीं आई है। इस खबर से कनिका के फैन्स काफी खुश नजर आ रहे और सोशल मीडिया पर उन्हें बधाई दे रहे हैं।

मई में गौतम से शादी करने वाली हैं कनिका

कनिका, गौतम नाम के एक एनआरआई-बिजनेसमैन के साथ मई में शादी करने वाली हैं। कनिका और गौतम एक दूसरे को पिछले एक साल से डेट कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों लंदन में शादी करेंगे। वहीं, इस बारे में जब कनिका से बात की गई तो उन्होंने इस पर कुछ नहीं कहा और न ही इससे इंकार किया। कनिका ने कहा, माफ कीजिएगा नो कमेंट्स।

18 साल की उम्र में कनिका ने की थी पहली शादी

कनिका की बात करें तो उन्होंने महज 18 साल की उम्र में एनआरआई बिजनेसमैन राज चंडोक से शादी की थी। कनिका और राज के तीन बच्चें आयाना, समारा और युवराज हैं। कनिका का जन्म और परवरिश लखनऊ में हुई है, मगर साल 1997 में शादी के बाद वो लंदन शिफ्ट हो गई थीं। 12 सालों तक सब ठीक रहने के बाद अचानक उनके पति के साथ झगड़े होने लगे थे। रिश्ते में कड़वाहट आ जाने के बाद साल 2010 में कनिका पति का घर छोड़कर वापस लखनऊ आ गईं थीं। फिर 2012 में उन्होंने राज से तलाक ले लिया।

तलाक लेने के बाद कनिका अपने म्यूजिक करियर को संवारने के लिए मुंबई गईं। वहां उन्हें पहली बार 'जुगनी जी' गाने में आवाज देने का मौका मिला। साल 2014 में कनिका ने सनी लियोनी पर फिल्माए सॉन्ग 'बेबी डॉल' को आवाज दी। 'बेबी डॉल' गाना रिलीज होते ही एक बड़ा हिट साबित हुआ। अपने डेब्यू सॉन्ग से ही कनिका काफी पॉपुलर हो गई थीं। इसके लिए उन्हें फिल्मफेयर बेस्ट फीमेल प्लेबेक सिंगर का अवॉर्ड भी मिला। पहले हिट के बाद कनिका ने 'चिट्टियां कलइयां' और 'देसी लुक' जैसे कई हिट गाने दिए हैं।

खास खबर

डॉ.मीरा बघेल एवं महिला चेम्बर के सहयोग से विशेष मैमोग्राम शिविर का आयोजन

रायपुर। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के महिला चेम्बर ने जानकारी दी कि डॉ.मीरा बघेल जी (मुख्य जिला चिकित्सा अधिकारी, रायपुर) एवं महिला चेम्बर के सहयोग से दिनांक 13 मार्च 2022, रविवार को सुबह 10.30 बजे से डॉ. भीमराव अम्बेडकर हास्पीटल, रायपुर में महिलाओं के स्वास्थ्य के संबंध में एक विशेष मैमोग्राम शिविर का आयोजन किया गया। महिला चेम्बर ने जानकारी देते हुए बताया कि डॉ. प्रीति नारायण और श्रीमती प्रियंका वर्मा द्वारा संचालित मशीन की मदद से कुल 22 महिलाओं का मेमोग्राफी करवाकर इस शिविर का लाभ अर्जित की। महिला चेम्बर ने डॉ. मीरा बघेल जी मुख्य जिला चिकित्सा अधिकारी, रायपुर (सीएमएचओ) एवं डॉ. प्रीति नारायण और श्रीमती प्रियंका वर्मा का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए आभार व्यक्त किया। साथ ही महिला चेम्बर ने महिलाओं को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की अपील की। इस अवसर पर महिला चेम्बर संरक्षक श्रीमती आभा मिश्रा, अध्यक्ष श्रीमती मधु अरोरा, महामंत्री श्रीमती पिंकी अग्रवाल, उपाध्यक्ष हेमल शाह, मंत्री सोमा घोष, मीडिया प्रभारी इंदिरा जैन सहित महिला चेम्बर की टीम एवं छत्तीसगढ़ क्लब की महिला पदाधिकारियों ने भी बड़ी संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

छायाचित्र प्रदर्शनी शासकीय योजनाओं की जानकारी का अच्छा माध्यम

रायपुर। जनसंपर्क विभाग द्वारा आज अभनपुर विकासखंड के ग्राम भरेंगा में सूचना शिविर सह फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। सूचना शिविर में पहुंचकर ग्रामीणों ने शासकीय योजनाओं की जानकारी ली। ग्राम भरेंगा की सरपंच श्रीमती गीता साहू ने कहा कि शासकीय योजनाओं की जानकारी छायाचित्र प्रदर्शनी से दिया जा रहा है।जनसंपर्क विभाग की यह प्रदर्शनी लोगों को योजनाओं को अपनाने के लिए प्रेरित करेगा। उन्होंने कहा कि शासन की सभी योजनाओं की जानकारी एक ही जगह पर मिलने से नागरिकों को समझने में आसानी होगी। हीरा सिंह, शिव प्रसाद, रमेश कुमार विश्वकर्मा, अक्षय आदि ने कहा कि शासन की योजना के प्रचार-प्रसार के लिए लगाई गई यह प्रदर्शनी सह सूचना शिविर प्रशंसनीय है। इस प्रकार के आयोजनों से लोगों को सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी मिलती है। पंच श्रीमती कल्याणी,श्रीमती धनेश्वरी, होरीलाल आदि ने कहा कि फोटो प्रदर्शनी में शासकीय योजनाओं के माध्यम से हो रहे विकास कार्यों की तस्वीरें संजोयी गई है जो बहुत अच्छी लगी। प्रचार-सामग्री भी बहुत अच्छी है।

पर्यटन मंत्रालय ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य पर्यटन के लिए एक राष्ट्रीय रणनीति और रोडमैप तैयार किया है : जी. किशन रेड्डी

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली (पीआईबी)। भारत को एक प्रमुख चिकित्सा एवं स्वास्थ्य पर्यटन स्थल के रूप में बढ़ावा देने के कार्य में केंद्र सरकार के मंत्रालयों, राज्य सरकारों तथा निजी क्षेत्र के बीच एक मजबूत ढांचा और तालमेल विकसित करने हेतु पर्यटन मंत्रालय ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य पर्यटन के लिए एक राष्ट्रीय रणनीति और रोडमैप तैयार किया है।

चिकित्सा पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य को और आगे बढ़ाने में समर्पित संस्थागत ढांचा प्रदान करने के लिए पर्यटन मंत्रालय ने माननीय मंत्री (पर्यटन) की अध्यक्षता में एक राष्ट्रीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य पर्यटन बोर्ड का गठन किया है।

पर्यटन मंत्रालय अपनी मौजूदा गतिविधियों के हिस्से के रूप में देश के विभिन्न पर्यटन स्थलों व उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए अतुल्य भारत ब्रांड-लाइन के तहत विदेशों में महत्वपूर्ण और संभावित बाजारों में वैश्विक प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक तथा ऑनलाइन मीडिया अभियान संचालित करता है। चिकित्सा पर्यटन के विषय सहित विभिन्न मुद्दों पर मंत्रालय के सोशल मीडिया एकाउंट्स के माध्यम से डिजिटल प्रचार भी नियमित रूप से किए जाते हैं।

मेडिकल वीजा की शुरुआत की गई है, जो चिकित्सा उपचार के लिए भारत में आने वाले विदेशी यात्रियों को विशिष्ट उद्देश्य के लिए दिया जा सकता है। 156 देशों में सुविधा के लिए ई-मेडिकल वीजा और ई-मेडिकल अटेंडेंट वीजा भी प्रारंभ किए गए हैं।

पर्यटन मंत्रालय विभिन्न पहल के जरिये चिकित्सा/पर्यटन मेलों, चिकित्सा सम्मेलनों, स्वास्थ्य सम्मेलनों, स्वास्थ्य मेलों और संबद्ध रोड शो में भाग लेने के लिए अस्पतालों तथा स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएच) द्वारा मान्यता प्राप्त चिकित्सा पर्यटन सेवा प्रदाताओं को बाजार विकास सहायता योजना के तहत वित्तीय सहायता प्रदान करता है। यह जानकारी पर्यटन मंत्री जी. किशन रेड्डी ने आज लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में दी।

समाधान शिविर में एक ही दिन में लगभग पांच हजार से अधिक लोगों को विभिन्न सेवाओं का मिला लाभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। सरकार तुंहर द्वार कार्यक्रम के अंतर्गत अजगरबहार में वृहद समाधान शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर में एक ही दिन में लगभग पांच हजार से अधिक लोगों को फौती, नामांतरण, राशन कार्ड, पेंशन, दिव्यांगता प्रमाण पत्र आदि शिविर स्थल में ही बनाकर ग्रामीणों को दी गई। समाधान शिविर के माध्यम से ग्रामीणों के राशन, पेंशन, मजदूर कार्ड आदि से संबंधित लंबित प्रकरणों का तत्काल निराकरण किया गया।

शिविर के पहले नागरिको से उनकी समस्याओं से संबंधित आवेदन लिए गए थे। आवेदनों के निराकरण पश्चात सेवाओं के दस्तावेजों को शिविर स्थल में ही ग्रामीणों को दिए गए। समाधान शिविर में अजगरबहार क्लस्टर के अंतर्गत 19 ग्राम पंचायतों के नागरिक सेवाओं का लाभ लिए। शिविर में 22 विभागों द्वारा विभिन्न प्रकार की सेवाएं उपलब्ध कराई गई। शिविर स्थल में राजस्व विभाग के अंतर्गत मुआवजा प्रकरण, वनाधिकार पट्टे का वितरण, फौती नामांतरण, किसान किताब, सीमांकन एवं डिजिटल हस्ताक्षरित बी-1 वितरण आदि 1327 प्रकरणों का निराकरण किया गया। जिला पंचायत मनरेगा के अंतर्गत 531 हितग्राहियों का जॉब कार्ड बनाकर दिया गया। 7 महिलाओं को मातृत्व भत्ता दिया गया। इसी प्रकार स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत 64 हितग्राहियों को शौचालय निर्माण प्रोत्साहन राशि दी गई है। समाज कल्याण विभाग द्वारा 468 हितग्राहियों को दिव्यांग उपकरण, पेंशन, जन्म - मृत्यु प्रमाण पत्र एवं दिव्यांग सहायता योजना अंतर्गत लाभान्वित किया गया। खाद्य विभाग अंतर्गत 489 हितग्राहियों के नवीन राशन कार्ड, राशन कार्ड में संशोधन एवं दिव्यांग, बुजुर्गों का राशन कार्ड निर्माण किया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा 81 दिव्यांगता प्रमाण पत्र, 589 हितग्राहियों को सुरक्षा योजना अंतर्गत प्रोत्साहन राशि वितरण किया गया। साथ ही गंभीर रूप से बीमार मरीजों का भी चिन्हांकन किया गया। आदिवासी विभाग अंतर्गत 48 विद्यार्थियों को स्थायी जाति प्रमाण पत्र वितरित किया गया।

श्रम विभाग के अंतर्गत 359 हितग्राहियों का ई-श्रम कार्ड बनाया गया। उद्यानिकी विभाग अंतर्गत 90 किसानों को जायद फसल के लिए सब्जी सीडलिंग का वितरण किया गया। कृषि विभाग द्वारा 486 किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड, पावर वीडर, पंप, स्प्रेयर, वर्मी कम्पोस्ट, मक्का बीज एवं मिनी राइस मिल का वितरण किया गया। शिक्षा विभाग द्वारा 313 जाति, आय, निवास प्रमाण पत्र, 15 बच्चों को आवश्यक उपकरण एवं 66 छात्राओं को सरस्वती सायकल वितरण किया गया। पशुधन विभाग द्वारा बकरा वितरण, मछली पालन विभाग द्वारा 5 मछली पालकों को जाल एवं आईसबाक्स का वितरण किया गया। इसी प्रकार लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा 12, क्रेडा विभाग द्वारा 6 एवं महिला बाल विकास विभाग द्वारा 02 समूहों को ऋण माफी एवं 3 समूहों को ऋण का वितरण किया गया।

कलेक्टर श्रीमती रानू साहू ने समाधान शिविर में सेवाओं का लाभ लेने आए नागरिकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि सरकार तुंहर द्वार कार्यक्रम के तहत समाधान शिविर आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों को शासन की सभी सेवाओं का लाभ मिल सके यही शिविर का उद्देश्य है।

कलेक्टर ने कहा कि शिविर के पहले घर-घर सर्वे करके लोगों की समस्याओं से संबंधित आवेदन लेकर शिविर में नागरिकों को सेवाएं प्रदान की जा रही है। इससे लोगों को बार-बार कार्यालय जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी और शिविर में एक ही दिन में समस्याओं का समाधान हो जा रहा है। शिविर के माध्यम से नागरिकों को राशन कार्ड, पेंशन निराकरण, किसान किताब आदि प्रदान करना ही प्रशासन का उद्देश्य है।

गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू के विभागों के लिए 11143.37 करोड़ रूपए की अनुदान मांगे पारित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा में आज गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू के विभागों के लिए वित्तीय वर्ष 2022-23 हेतु 11,143 करोड़ 37 लाख 42 हजार रूपए की अनुदान मांगे सर्व सम्मति से पारित की गई। इनमें लोक निर्माण विभाग अंतर्गत सड़के और पुल के लिए 2 हजार 605 करोड़ 76 लाख 67 हजार रूपए, भवनों के लिए 1503 करोड़ 50 लाख 86 हजार रूपए, लोक निर्माण विभाग से संबंधित विदेशों से सहायता प्राप्त परियोजनाओं के लिए 940 करोड़ 15 लाख 3 हजार रूपए तथा पुलिस के लिए 5 हजार 665 करोड़ 78 लाख 22 हजार रूपए, गृह विभाग से संबंधित अन्य व्यय के लिए 85 करोड़ 67 लाख 96 हजार रूपए, जेल विभाग के लिए 197 करोड़ 49 लाख 50 हजार रूपए, धार्मिक न्यास और धर्मस्व के लिए 18 करोड़ 75 लाख रूपए और पर्यटन विभाग के लिए 126 करोड़ 24 लाख 18 हजार रूपए शामिल है। अनुदान मांगों की चर्चा में सदस्यगण सर्व शिवरतन शर्मा, मोहन मरकाम, अजय चन्द्राकर, आशीष छाबड़ा, धरमजीत सिंह, श्रीमती सरिता सिन्हा, ननकी राम कंवर, केशव प्रसाद चन्द्राकर, भुनेश्वर बघेल,

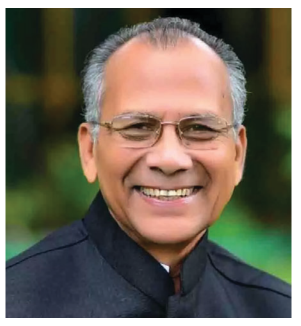

नारायण चंदेल, रामकुमार यादव, श्रीमती इन्दु बंजारे और डॉ. कृष्णमूर्ति बांधी ने भाग लिया।

गृह मंत्री साहू ने अनुदान मांगों की चर्चा के जवाब देते हुए सदन में कहा कि यह बजट गढ़बों नवा छत्तीसगढ़ की परिकल्पना का बजट है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा सभी वर्गों के विकास के लिए बजट प्रावधान किया गया है। उन्होंने सदन में कहा कि हमारी सरकार बनने के पहले साल ही सही मायने में काम करने का मौका मिला। उसके बाद कोरोना महामारी के कारण कुछ विकास कार्य अवश्य प्रभावित हुए हैं। राज्य सरकार कोरोना महामारी की चुनौतीपूर्ण समय का सामना करते हुए सर्वप्रथम लोगों की जान बचाने का काम किया। हमारी सरकार ने चाहे अस्पतालों में अच्छी व्यवस्था करने की बात हो, प्रवासी मजदूरों को लाने-लेजाने, उनकी भोजन व्यवस्था, सुरक्षा सहित अन्य जनहित के कार्यों को प्राथमिकता से किया।

गृह मंत्री साहू ने सदन में कहा कि जवाहर सेतु योजना सरकार की घोषणा पत्र का हिस्सा है। इसके तहत राज्य के सभी पहुंचविहीन गांवों को कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के लिए सभी नदियों और नालों में पुलों का निर्माण किया जा रहा है। इसके तहत 84 पुल कार्यों के लिए 568 करोड़ रूपए की स्वीकृति प्रदान की गई है। इनमें 9 कार्य पूर्ण एवं 61 कार्य प्रगति पर तथा 12 कार्य निविदा स्तर पर है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सुगम सड़क योजना के तहत जनसामान्य की सुविधा के लिए प्रदेश के सभी शासकीय भवनों, चिकित्सालय, स्कूल-कॉलेज, पंचायत भवन, उचित मूल्य की दुकान, आंगनबाड़ी सहित अन्य शासकीय शैक्षणिक संस्थानों के भवन हाट बाजार, शमशान घाट, मेला स्थल एवं धान संग्रहण केन्द्रों को मुख्य मार्ग से बारहमासी पक्की सड़क से जोड़ने काम किया जा रहा है। अब तक कुल 726 किलोमीटर लम्बाई के 4142 मार्ग के लिए 495 करोड़ रूपए स्वीकृत किए गए हैं। इनमें 1125 मार्ग पूर्ण कर लिया गया है एवं 856 मार्ग प्रगति पर है।

मॉडल गौठान चिल्हाटी में समूह की महिलाओं को वर्मीकम्पोस्ट बनाने दिया गया प्रशिक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

कांकेर। महिला समूहो को वर्मी कम्पोस्ट तैयार, एकत्र, भंडारण करने की विधि एवं समूह के आय व्यय आर्थिक गतिविधियों के सम्बंध में प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण स्थल-मॉडल गोठान चिल्हाटी, 'कृषि विभाग से ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी प्रवीण कवाची ने प्रशिक्षण में सम्मिलित गोठान समूह चिल्हाटी, कोरर, कुर्री, डोंगरगाँव, हरनपुरी, बैजनपुरी, सेलेगांव, डुमरकोट, भैंसाकान्हर डु के सदस्यों को वर्मी कम्पोस्ट तैयार करने की विधि एवं वर्मी कम्पोस्ट एकत्र करने एवं भंडारण के तरीकों के सम्बंध में विस्तार पूर्वक प्रशिक्षण दिया गया। गोठान में निर्मित वर्मी टैंको के दीवाल में वर्मी खाद बनाने की विधि एवं वर्मी एकत्र भंडारण करने के तरीकों का दीवाल लेखन कार्य करवाया गया।

जनपद पंचायत भानुप्रतापपुर के एडीओ शत्रुघन कुंजाम' ने आर.बी.के महिला स्व सहायता समूह के महिलाओं को आय-व्यय आर्थिक गतिविधियों के सम्बंध में विस्तार पूर्वक प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में गोठान गांव के महिला समूहो की सदस्य उपस्थि थे।

महिला स्व.सहायता समूह ने हल्दी, गुलाब, गेन्दा जैसे प्राकृतिक चीजो से बनया हर्बल गुलाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। कबीरधाम जिले में इस बार सभी अधिकारी और कर्मचारी भोरमदेव हर्बल गुलाल से होली खेंलेगे। इस भोरमदेव हर्बल गुलाल को कबीरधाम जिले की महिला स्वसहायता समूह ने अलग-अलग आकर्षक रंगों में तैयार किया है। इस समूह द्वारा कलेक्टर कार्यालय में अपनी विक्रय के लिए भोरमदेव हर्बल गुलाल की दुकान भी लगाई है।

कैबिनेट मंत्री व कवर्धा विधायक मोहम्मद अकबर ने अपने कबीरधाम प्रवास के दौरान कलेक्टर कार्यालय में भोरमदेव हर्बल गुलाल की दुकान का शुभारंभ किया। उन्होने हर्बल गुलाल की खरीदी की। स्वसहायता समूहों के सदस्यों ने मंत्री श्री अकबर तिलक लगाकर होली की शुभकामनाएं भी दिए। मंत्री श्री अकबर ने जिले के सभी नागरिको, अधिकारी और कर्मचारियों को हर्बल गुलाल का बढ़ावा देते हुए गुलाल खरीदी के लिए कहा है।

कबीरधाम जिले के विकासखण्ड बोड़ला के ग्राम राजानवागांव के जय गंगा मईया महिला स्व.सहायता समूह द्वारा होली त्योहार को देखते हुए हर्बल गुलाल तैयार किया गया है। यह गुलाल हल्दी, गेंदा, गुलाब, चुकून्दर, अनार जैसे प्राकृतिक पुष्प एवं फलों के रस से बने है। यह पूर्णत: जैविक होने के साथ-साथ यह स्वास्थ्य और त्वाचा के लिए लाभकारी है। जय गंगा मईया समूह के सदस्यों ने बताया कि इस गुलाल का स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं पड़ता है और साथ में त्वचा को यह ठंडक प्रदान करता है। केमीकल युक्त गुलालों के विपरित यह हर्बल गुलाल त्वचा एवं बालों को कोई नुकसान नहीं पहुंचाता है और आंखो में जलन होने से बचाता है। विगत कई दिनों से समूह कि महिलाएं फूल आदि इकट्ठा कर इसे तैयार करने के कार्य मे लगी थी जो अब बाजार के लिए तैयार है। अलग-अलग आकर्षक रंगों में उपलब्ध हर्बल गुलाल 250, 300 ग्राम के पैकेट में उपलब्ध है जिसमें 100-100 ग्राम के तीन अलग-अलग रंगों में उपलब्ध हैं जिसमे लाल, पीला, हरा जैसे आकर्षक रंगों के हर्बल गुलाल समूह ने तैयार किया है।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कबीरधाम श्री संदीप कुमार अग्रवाल ने बताया कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के तहत समूह का गठन किया गया है। समूह द्वारा हर्बल गुलाल विभिन्न फूलों एवं फलो के रस से तैयार किया जा रहा है। इन फूल एवं फलों की आपूर्ति बाबा भोरमदेव के मंदिर एवं नवधा रामायण के आयोजनों में चढ़ने वाले फूलो से हो रहा जय मां गंगा मईया महिला स्व.सहायता समूह में 10 सदस्य कार्य कर रहे है।

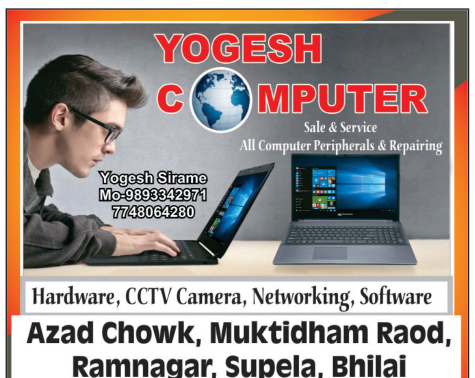

खास-खबर

तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार को टक्कर मारी, दो घायल

बिलासपुर (ए)। तेज रफ्तार कार चालक ने लापवारही पूर्वक चलाते हुए बाइक सवार दो लोगों को टक्कर मार दी। जिससे दोनों युवकों को गंभीर चोटे आई है। पुलिस की डायल 112 के स्टाफ ने घायलों को सिम्स में भर्ती कराया है। तोरवा क्षेत्र के राधास्वामी मंदिर के पास रहने वाले सचिन और वासुदेव कश्यप पिता चंद्रदेव कश्यप अपनी बाइक से काम के सिलसिले में भारतीय नगर चौक के तरफगए थे। इसी दौरान विपरित दिशा से तेज रफ्तार से आ रही कार ने बाइक सवार सचिन और वासुदेव को जोरदार टक्कर मार दी। जिससे दोनों बाइक समेत गिर गए। घटना के बाद वहां लोगों की भीड़ जुट गई। हादसा से सचिन और वासुदेव के चेहरे, हाथ, पैर समेत शरीर के कई हिस्सों में चोटे आई है। इस बीच किसी ने पुलिस की डायल 112 को फोन कर सूचना दी। पुलिस की टीम जांच करने तत्काल घटना स्थल पहुंची। इसके बाद घायलों को वाहन में बिठाकर सिम्स मेडिकल कालेज में भर्ती कराया। डाक्टरों तुरंत इलाज शुरू किया। इसके बाद घायलों को केजुअल्टी वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया। डायल 112 के आरक्षक मनीष भारद्वाज और अरूण कश्यप ने घायलों की मदद की। इलाज शुरू होने के बाद वापस अपने जगह पर तैनात हो गए। घटना से घायलों की बाइक टूट गई है। जिससे उन्हें भारी नुकसान हुआ है। आसपास के लोगों ने वाहन का नंबर पुलिस को उपलब्ध कराया है। घटना के कुछ दूर में चालक ने कार छोड़कर भाग गया। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि कार तेज रफ्तार में चल रही थी। तेज रफ्तार वाहन चलाने वालों पर पुलिस को कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। सिम्स के डाक्टरों ने तत्काल इलाज शुरू कर दिए। जिससे घायलों को आराम मिला। डाक्टरों ने बताया कि घायलों की हालत सामान्य है और खतरा से बाहर हैं। एक्सरे, खून जांच, सीटी स्केन कराया गया। जिसकी सभी के सामान्य रिपोर्ट आई है। डाक्टरों की निगरानी में घायलों का इलाज चल रहा है।

शादीशुदा महिला से रेपः घर में अकेली थी महिला, केबल का पैसे लेने आए युवक ने किया दुष्कर्म

भिलाई (ए)। एक केबल ऑपरेटर कर्मी ने महिला को घर में अकेले पाकर उसके साथ अनाचार किया। इसके बाद वहां से भाग गया। महिला ने घटना की जानकारी जब अपने पति को दी। इसके बाद उसने वैशाली नगर थाने जाकर मामले की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 376, 342 और 450 के तहत मामला दर्ज किया है। वैशाली नगर टीआई वीरेन्द्र श्रीवास्तव ने बताया कि रामनगर स्कूल के पीछे रहने वाला आरोपी ढाल सिंह साहू (34 साल) केबल ऑपरेटर के यहां बिल वसूली का काम देखता है। शनिवार दोपहर 1.30 बजे वह एक घर में केबल का बिल मांगने गया था। महिला का पति सुबह 8 बजे ड्राइवर का काम करने भिलाई स्टील प्लांट चला गया था। सुबह 10 बजे के करीब जब ढाल सिंह पहुंचा तो घर पर 36 वर्षीय महिला अपने आठ साल के बेटे के साथ घर पर थी। बेटा दूसरे कमरे में टीवी देख रहा था। महिला पूजा कर रही थी। महिला को अकेला देख आरोपी की नियत डोल गई। वह धीरे से अंदर वाले कमरे तक गया और कुंडी लगाकर बेटे को बंद कर दिया। इससे पहले की महिला कुछ समझ पाती वह उस पर हावी हो गया। महिला से अनाचार करने के बाद आरोपी वहां से भाग गया। इसके बाद महिला ने फोन पर घटना के बारे में पति को बताया।

सुसाइड केस में 3 प्रोफेसर गिरफ्तार

नंदिनी गवर्नमेंट कॉलेज के प्रिंसिपल ने लगाई थी फांसी, प्रोफेसर्स पर लगाया था प्रताड़ना का आरोप

भिलाई। नंदिनी पुलिस ने नंदिनी शासकीय महाविद्यालय के तीन प्रोफेसर्स को गिरफ्तार किया है। तीनों पर महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. भुवनेश्वर नायक को प्रताड़ित कर आत्महत्या के लिए मजबूर करने का आरोप है। पुलिस ने इन प्रोफेसर के खिलाफ धारा 306, 34 के तहत मामला दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

शासकीय महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. भुवनेश्वर की खुदकुशी के मामले में चार महीने बाद पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। नंदिनी टीआई एस.एन. सिंह ने बताया कि 28 अक्टूबर 2021 की सुबह प्रभारी प्राचार्य डॉ. भुवनेश्वर नायक का शव पुराने कॉलेज के एक पुराने कमरे में फंदे से लटका मिला था। नंदिनी पुलिस ने घटना स्थल की जांच की तो उन्हें वहां से एक सुसाइड नोट भी मिला था। उसमें पता चला था कि प्रभारी प्राचार्य ने कॉलेज के तीन प्रोफेसर की प्रताड़ना से काफी परेशान थे। इसी के चलते उन्होंने इतना बड़ा कदम उठाया है। इसके बाद पुलिस ने राइटिंग एक्सपर्ट से सुसाइड नोट की लिखावट की जांच कराई।

जांच के बाद पाया गया कि सुसाइड नोट मरने से पहले प्रभारी प्राचार्य डॉ. भुवनेश्वर ने ही लिखा था। इसके बाद पुलिस ने सोमवार को प्रोफेसर डॉ. प्रशांत कन्नोजे (54वर्ष) निवासी थाना बसंतपुर जिला राजनांदगांव, प्रोफेसर ढालेश कुमार पटेल (45वर्ष) निवासी नंदिनी और प्रोफेसर प्रमेन्द्र कुमार उपाध्याय (51वर्ष) निवासी समता कालोनी रायपुर को गिरफ्तार किया है। सभी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

पानी पाइप लाइन को तोड़कर चोरी करने वाले पांच गिरफ्तार

कोरबा (ए)। कुसमुंडा क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति करने बिछे पाइप लाइन को अज्ञात बदमाशों ने पार कर दिया। इससे कालोनी परिसर में पेयजल आपूर्ति ठप पड़ गई। सुरक्षा विभाग द्वारा मामले की रिपोर्ट लिखाए जाने पर पुलिस ने पांच आरोपितों को गिरफ्तार कर सामान जब्त किया।

साउथ इस्टर्न कोलफिल्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) की कुसमुंडा में पदस्थ प्रधान सुरक्षा प्रहरी ने लिखित में आवेदन दिया कि सोमवार को सुबह 6.30 बजे पानी फिल्टर प्लांट में ड्यूटी पर उपस्थित कर्मचारी द्वारा पानी पाइप की चोरी करने के संबंध में बताया। तब कर्मियों के साथ स्थल जाकर निरीक्षण करने पर अज्ञात बदमाशों द्वारा करीब 20 इंच वाला 30 मीटर व 16 इंच वाला 40 मीटर को पाइप काट कर चोरी करने की जानकारी मिली। इससे कुसमुंडा क्षेत्र में पानी सप्लाई बाधित हो गई, साथ ही पाइप लाईन को तोड़ने से एसईसीएल कुसमुंडा को क्षति पहुंची। मामले में पुलिस ने मुखबिर को सक्रिय कर विवेचना शुरू की। संदेह के आधार पर नवाज अली 30 वर्ष निवासी मदरसा लाईन, विकासनगर, तुलसी साव 46 वर्ष निवासी इमलीछापर, बीरू कुमार साव 22 वर्ष निवासी इमलीछापर, रमेश चौहान 40 वर्ष निवासी चैतमा हाल मुकाम खम्हरिया, रामशरण साहू 36 वर्ष निवासी इमलीछापर से कड़ाई से पूछताछ की। तब सभी ने पाइप चोरी करना स्वीकार किया। उनकी निशानदेही पांच प्लास्टिक की बोरियों में भरा 230 किलोग्राम पाइप का टुकड़ा व पाइप तोड़ने में प्रयुक्त एक लोहे का घन व दो लोहे का गैती जब्त किया गया। आरोपितों के विरूद्ध धारा 379, 427, 34 व लोक संपत्ति क्षति निवारण अधिनियम के तहत कार्रवाई कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया।

बैंक पॉलिसी के नाम पर 8 साल में बीएसपी के रिटायर्ड अधिकारी से ठगे 1.22 करोड़ रुपए

भिलाई (ए)। जुनवानी निवासी बीएसपी के सेवानिवृत्त अधिकारी डी सिंह बीमा पॉलिसी के नाम पर वर्ष 2013 से 2021 के बीच 1.22 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी हो गई। इस दौरान 6 अलग-अलग स्कीम में निवेश कराने की बात कहकर उनसे रुपए ऐंठ गए। अधिकारी ने सेवानिवृत्ति के बाद मिले 90 लाख रुपए भी आरोपियों के पास जमा करा दिए। यह राशि एसबीआई, बैंक ऑफ बड़ोदा, बैंक ऑफ महाराष्ट्र, एक्सिस बैंक और इंडियन ओवरसीज बैंक में पैसा जमा कराए जाने के नाम पर की गई।

आरोपियों ने 4 सौ ऑनलाइन ट्रांजिक्शन और 16 चेक के माध्यम से यह ठगी की। आरोपियों से एक बार भी मुलाकात नहीं हुई। आरोपियों ने सभी पॉलिसी के मामले में 1.80 करोड़ रुपए लौटाने की बात कही। 24 जून 2021 में मामले की शिकायत की। नोयडा और दिल्ली के गिरोह के शामिल होने की बात सामने आई। ठगी के दौरान सिर्फ तीन मोबाइल नंबरों का उपयोग किया। मनीषा शर्मा व अनुज मेहता के खिलाफ केस दर्ज किया है।

आरोपियों से पीड़ित की एक बार भी नहीं हुई मुलाकात

पुलिस को प्रार्थी ने बताया कि ठगों ने चेक के बाद बाकी पैसा ऑनलाइन ट्रांजिक्शन के जरिए खातों में जमा करवाए है। प्रार्थी के मुताबिक उसने मनीषा शर्मा के एसबीआई, बैंक ऑफ बड़ोदा, मिसेज दीना के एसबीआई, सन्नू कुमार के बैंक ऑफ महाराष्ट्र, एक्सिस बैंक के कस्टमर कृष्णा ज्वेलर्स और इंडियन ओवरसीज बैंक में श्याम सुंदर सराफा के नाम से खाते में 1.11 करोड़ रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर किए थे। ठग अब भी 5 लाख रुपए जमा करने पर 1.80 करोड़ रुपए लौटाने का झांसा दे रहे हैं। पुलिस को पीड़ित ने बैंक स्टेटमेंट समेत ठगों से जुड़े बाकी दस्तावेज सौंप दिया है। पुलिस मोबाइल नंबर और बैंक डिटेल के माध्यम से गिरोह की जानकारी जुटा रही है।

8 साल तक ठगते रहे, 1.22 करोड़ रुपए ऐंठे, ठगी समझने में हुई चूक

प्रार्थी के मुताबिक दिसंबर 2013 में गैंग की महिला आरोपी मनीषा शर्मा ने खुद को आरबीआई अफसर बनकर फोन पर संपर्क किया था। इसके बाद सबसे पहले उसने कई बीमा पॉलिसी की स्कीम बताई। पैसा निवेश करने पर दो गुना रकम मिलने का झांसा दिया। इस वजह से महिला की बताई पॉलिसी में निवेश करना शुरू कर दिया। जून 2021 तक महिला और उसके साथ निवेश कराने का झांसा देकर पैसा ठगते रहे। ठगों ने उससे 16 चेक के माध्यम से 9.48 लाख रुपए कंपनी के खाते में जमा करवाए है। अधिकारी को यह समझने में समय लगा कि उनके साथ ठगी हो रही है। उन्होंने बैंक पॉलिसी मानकर आरोपियों को ऑनलाइन पेमेंट किया।

निर्माणाधीन रेलवे लाइन से तांबा तार चोरी करने वाले सात गिरफ्तार

रायगढ़ (ए)। धरमजयगढ़ के मध्य कैटनरी तांबातार एवं कांटेक्टर तांबा तार चोरी करने में सक्रिय गिरोह के सात आरोपितो को चोरी के माल समेत पकड़ने में घरघोड़ा पुलिस को महती सफलता मिली है। 12 मार्च को प्रार्थी हेमंत कुमार रावत पिता अनिरूद्ध रावत ग्राम जोल्हा, थाना पानीकोयली, जिला जाजपुर ओडिशा के निवासी हैं। हेमंत ने घरघोडा थाना में रिपोर्ट दर्ज कराया कि टेण्डा नवापारा के मध्य एवं घरघोडा से कारीछापर रेलवे स्टेशन के मध्य एवं घरघोडा से धरमजयगढ के मध्य कैटनरी तांबातार एवं कांटेक्टर तांबा तार अनुमानित की मत 1,50,000 एवं 50,000 चोरी कर ली गई है । प्रार्थी के लिखित रिपोर्ट पर थाना घरघोडा मे धारा 379 भादवि अज्ञात आरोपितों की खोजबीन चल रही थी। घरघोड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत गत दिनों से नव निर्माणाधीन रेलवे लाइन में तांबा तार की चोरी की वारदात को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अभिषेक मीना द्वारा एडिशनल एसपी लखन पटले एवं एसडीओपी धरमजयगढ़ दीपक मिश्रा को गंभीरता से लेते हुए आरोपितों की पतासाजी के लिये शीघ्र प्रभावी कार्रवाई कराने निर्देशित किया गया था।

डाक्टर को वायरलेस सेट से मारकर घायल करने वाला जवान निलंबित

रायपुर (ए)। राजधानी रायपुर में डाक्टर को वायरलेस सेट से मारकर घायल करने वाले जवान को निलंबित कर दिया गया है। सोमवार करीब शाम सात बजे एसआरपी चौक में तैनात पुलिस जवान ने बाइक चालक को रोका था, वह नहीं रुका तो उसने अपने पास रखे वायरलेस सेट से उसे मार दिया, जिससे उसके सिर में गंभीर चोट आई है। उच्च अधिकारियों ने मामले की जांच करते हुए जवान को निलंबित कर दिया है।

जानकारी के अनुसार, सोमवार शाम सात बजे मेडिकल कालेज के छात्र दुर्ग निवासी शिवांश सिंह उइके अपने दो साथी डाक्टरों के साथ स्कूटी से मरीन ड्राइव घूमते हुए वापस मेडिकल कालेज हास्टल लौट रहा था। चौक पर ही तैनात यातायात पुलिस के जवान ने तीन सवारी देखकर स्कूटी रोकने की कोशिश की। स्कूटी नहीं रोकने पर उसने वायरलेस सेट से हमला किया जो पीछे बैठे शिवांश सिंह के सिर पर लगी। इस हमले में उसका सिर फट गया। घायल शिवांश अस्पताल पहुंचते तक बेहोश हो गया।

सिटी स्कैन करवाने पर पता चला कि खून बहकर सिर में जम गया है।

जूडा ने कार्रवाई नहीं होने पर दी थी हड़ताल की चेतावनी

जूडा के अध्यक्ष प्रेम चौधरी ने इस घटना की निंदा करते हुए कहा था कि रायपुर पुलिस ने हमला कर ठीक नहीं किया है। वाहन में तीन सवारी होने पर चालान काटने की अपेक्षा जवान ने सिर पर डंडे से मारा? उन्होंने कहा कि पुलिस का ये ढंग ठीक नहीं है। पुलिस अफसरों को तत्काल करवाई कर दोषी जवान को निलंबित करना चाहिए। उन्होंने कहा था कि कार्रवाई नहीं होने पर आंबेडकर अस्पताल के डाक्टर हड़ताल करने से पीछे नहीं हटेंगे।

आज सीसीटीवी फुटेज की जांच की

यातायात डीएसपी सतीश ठाकुर ने सोमवार को कहा था कि हमला किसने किया, फिलहाल पता नहीं चल पाया है। घायल डाक्टर ने भी ट्रैफिक जवान के होने की पुष्टि नहीं की है। मंगलवार को घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी से फुटेज देखकर संबंधित जवान को निलंबित किया गया।

चौकीदार ने निगरानी बदमाश के साथ फार्म हाउस में की चोरी

बिलासपुर (ए)। फार्म हाउस के चौकीदार ने चकरभाठा क्षेत्र के निगरानी बदमाश के साथ मिलकर चोरी की घटना को अंजाम दिया। इसके बाद उसने मालिक को चोरी की झूठी कहानी सुना दी। फार्म हाउस के मालिक ने चौकीदार पर भरोसा कर इसकी शिकायत रतनपुर थाने में की। इसकी जांच में चौकीदार और उसके साथियों की करतूत सामने आ गई। पुलिस ने निगरानी बदमाश और उसके साथियों के कब्जे से चोरी का माल जब्त कर लिया है। आरोपित युवकों को पुलिस ने न्यायालय में पेश किया है। सरकंडा क्षेत्र के चंद्रलोक कालोनी राजकिशोर नगर में रहने वाले निर्मलेश पांडेय(35) का रतनपुर क्षेत्र के काटीपारा जाली में फार्म हाउस है। उन्होंने 10 फरवरी की रात फार्म की खिड़की तोड़कर टीवी और अन्य सामान की चोरी की शिकायत की है। इस पर पुलिस मामला दर्ज कर चोरों की तलाश कर रही थी। जांच के दौरान पता चला कि चौकीदार सत्यम कोल निवासी ग्राम जाली का चकरभाठा क्षेत्र के निगरानी बदमाश निकेश कोल लगातार संपर्क में रहा है। इस पर पुलिस ने निकेश को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पहले तो वह पुलिस को गुमराह कर रहा था। कड़ाई करने पर वह टूट गया। उसने चौकीदार सत्यम कोल, दुर्गेश कुमार कोल, सुरेश कुमार कोल, दीपक मरावी, रविशंकर कोल के साथ मिलकर चोरी करना स्वीकार कर लिया। आरोपित युवकों ने बताया कि उन्होंने चोरी की टीवी को जाली में रहने वाले विशाल नेताम के पास बेच दिया है। पुलिस ने विशाल के कब्जे से चोरी की टीवी को जब्त कर उसे भी गिरफ्तार कर लिया।

खास - खबर

अभिजीत बने विधानसभा प्रभारी

दुर्ग। भारतीय जनता युवा मोर्चा छत्तीसगढ़ सोशल मीडिया साइबर दुर्ग संभाग के प्रभारी विकास सिंह ठाकुर द्वारा जिला प्रभारी व विधानसभा प्रभारी नियुक्त किया गया है। जिसमें से दुर्ग शहर विधानसभा प्रभारी के रूप में कादम्बरी नगर निवासी अभिजीत शर्मा को नियुक्त किया गया है। अभिजीत शर्मा ने भाजयुमो जिलाध्यक्ष नितेश साहू, महामंत्री तेखन सिन्हा का आभार व्यक्त किया है। अभिजीत शर्मा के प्रभारी बनाये जाने पर सागर एवं अन्य इष्ट मित्रो ने बधाई दी है एवं सभी में खुशी का माहौल है।

बीएसपी कर्मी व सुप्रसिद्ध कलाकार रजनी रजक राज्यपाल से सम्मानित

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के सीएसआर विभाग में कार्यरत बहुमुखी प्रतिभा की धनी छत्तीसगढ़ की प्रसिद्ध लोकगायिका तथा छत्तीसगढ़ के लोककला ढोलामारू को सहेजने वाली श्रीमती रजनी रजक को छत्तीसगढ़ की राज्यपाल सु अनुसुइया उइके के करकमलों से विशिष्ट महिला सम्मान से सम्मानित किया गया। विदित हो कि इससे पूर्व श्रीमती रजनी रजक को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के हाथों नारीशक्ति पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है।

महिलाए आज जमीन से आकाश तक कामयाबी का झण्डा बुलंद कर रही है - मंत्री अनिला भेंडिया

भिलाई। उन्नति महिला सहकारी साख समिति मर्यादित भिलाई दुर्ग एवं समाज सेवी संगठन लोकर्पण समिति के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित कार्यक्रम महिला जागृति एवं सम्मान समारोह में भिलाई-दुर्ग के 23 हस्तियों के सम्मान किया गया। महिलाओ ने हस्थनिर्मित सामग्रियों का प्रदर्शन सह बिक्री हेतु 21 स्टाल लगाई गई जिसमें लोगों ने अलग-अलग आईटम का स्वाद लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। महिला एवं बाल विकास समाज कल्याण मंत्री अनिला भेंडिया ने कहा कि आज महिलाएं जमीन से आकाश तक सभी स्थानों में अपनी कामयाबी का झंडा बुलंद कर रही है। बस्तर जैसी क्षेत्र की महिला आज स्वालम्बन होती जा रही है। बस्तर की सामग्रियों की मांग दुनिया में हो रही है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने महिला कल्याण के कार्यक्रमो का संचालन किया जा है जिसका महिलाओं को लाभ मिल रहा है। कार्यक्रम में आतिथि के रूप में भिलाई शहर जिला कांग्रेस के अध्यक्ष मुकेश चन्द्राकर, राज्य अंतरवस्त वित्त विकास निगम उपाध्यक्ष सुश्री नीता लोधी, राज्य महिला आयोग सदस्य तुलसी साहू, दुर्ग ग्रामीण कांग्रेस उपाध्यक्ष श्रीमती सरिता जितेंद्र साहू, बलाक कांग्रेस कमेटी सुपेला कोसानगर नंदकुमार कशयप, वैशाली नगर जोन अध्यक्ष रामानंद मौर्य, लोकार्पण समिति के प्रदेश अध्यक्ष इस्माईल खान, वैशाली नगर निगम जोन आयुक्त पूजा पिल्ले, महिला बाल विकास विभाग परियोजना अधिकारी पूजा अग्रवाल आदि उपस्थित थे। महिला जागृति एवं सम्मान कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में कामयाब हस्तियों का सम्मान किया गया जिसमें महिला कल्याण हेतु राष्ट्रपति पुरस्कार पुरस्कृत श्रीमती शमशाद बेगम, मंजू साहू, अल मदाद वेलफेयर एंड एजुकेशन सोसायटी सेक्टर 10 को बेह्तर सेवा हेतु सम्मान प्रमाण पत्र, स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया।

श्रीमती पूर्णिमा थिटे का निधन

दुर्ग। साकेत कॉलोनी निवासी श्रीमती पूर्णिमा थिटे 83 वर्ष का सोमवार की सुबह निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 15 मार्च,मंगलवार को प्रात: 9 बजे हरनाबांधा मुक्तिधाम शंकरनगर में किया जाएगा। वे सेवानिवृत्त अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक स्व. एम एस थिटे की धर्मपत्नी, दुर्ग प्रेस क्लब के कोषाध्यक्ष राहुल थिटे की माताजी, सेंट जेवियर स्कूल की शिक्षिका श्रीमती ममता थिटे की सास एवं ऋचा थिटे की दादी थी। उनके निधन पर दुर्ग-भिलाई प्रेस क्लब के पत्रकारों ने शोक व्यक्त किया है।

महत्वपूर्ण विभागों में दी गई जिम्मेदारी, आयुक्त प्रकाश सर्वे ने जारी किया आदेश

अनुकंपा में नियुक्त कर्मचारियों की हुई पदस्थापना

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई में 21 को अनुकंपा नियुक्ति प्रदान की गई है तथा इन्हें महत्वपूर्ण विभागों में पदस्थ भी कर दिया गया है। आयुक्त प्रकाश सर्वे ने इसका आदेश जारी कर दिया है।

अनुकंपा नियुक्ति में पदस्थ किए गए नरसिंग कोठारी को वाहन शाखा में सहायक ग्रेड 3, शुभम रामटेके को राजस्व विभाग में सहायक ग्रेड 3, महेश कुमार देवांगन को जनगणना शाखा में सहायक ग्रेड 3, ढाल सिंग साहू को शिवाजी नगर जोन क्रमांक 4 में सहायक ग्रेड 3, जागेश्वर प्रसाद को योजना विभाग में सहायक ग्रेड 3, सुश्री नम्रता सिंह ठाकुर को योजना विभाग में सहायक ग्रेड 3, सुश्री निशा

कुमारी को जनसंपर्क विभाग में सहायक ग्रेड 3, सुश्री लीला लहरी को मुख्य आवक जावक शाखा में सहायक ग्रेड 3, रोहित कुमार सिंह को लेखा शाखा में सहायक ग्रेड 3, पूर्वांश नायडू को लेखा शाखा में सहायक ग्रेड 3 के पद पर नियुक्ति की गई है। वहीं विवेक कुमार साहू स्वच्छता पर्यवेक्षक को नेहरू नगर जोन क्रमांक 1 एवं सु त्रिवेणी देशपाण्डे स्वच्छता पर्यवेक्षक को सामान्य प्रशासन विभाग में नियुक्ति किया गया है। भृत्य जी. मोहन राव को योजना विभाग, नरेन्द्र कुमार यादव को सचिवालय, एम.ईमानियल को वाहन शाखा, गजेन्द्र कुमार को भवन संधारण, अशोक यादव को भवन संधारण, एम.ओबेद को सचिवालय, प्रदीप अग्रवाल को सचिवालय, पीली बाई लहरे को प्रधानमंत्री आवास योजना विभाग एवं मुकेश कुमार को संपत्ति कर विभाग में नियुक्त किया गया है।

उल्लेखनीय है कि विभिन्न नियम शर्तो के तहत आदेश जारी किया गया था। अनुकंपा में नियुक्त किए गए कर्मचारियों को आदेश जारी होने के 15 दिवस के भीतर अनिवार्य रूप से पदभार ग्रहण करने आदेश जारी किया गया था। गौरतलब है कि शासकीय सेवा में रहते हुए मृत्यु हो जाने उपरांत इनके आश्रितों ने अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन किया था। महापौर नीरज पाल ने प्राप्त आवेदन की कार्रवाई पर तेजी लाने के निर्देश दिए थे। जिसके मुताबिक स्थापना विभाग के अधिकारियों ने अनुकंपा नियुक्ति जैसे कार्यों में अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी के नेतृत्व में स्थापना अधीक्षक तुलसी वृंदा देवांगन एवं रीता यादव ने प्रक्रिया में तेजी लाते हुए अनुकंपा नियुक्ति का आदेश जारी करने में अविलंब कार्य किया है। कुछ कर्मचारियों के विभाग भी बदले महेश कुमार वर्मा स्वच्छता पर्यवेक्षक को लेखा शाखा से जोन क्रमांक 3 मदर टैरेसा नगर, पूरनलाल चंद्राकर समय पाल/कार्य सहायक ग्रेड 2 को जोन क्रमांक 3 मदर टैरेसा नगर से लेखा शाखा, दुर्योधन साहू सफाई कामगार एवं गणित कुमार सफाई कामगार को गरीबी उपशमन एवं सामाजिक कल्याण विभाग से जोन क्रमांक 5 में स्थानांतरित कर पदस्थ किया गया है।

निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे ने विभागों का किया औचक निरीक्षण

भिलाई। कार्यालय में कर्मचारियों की उपस्थिति एवं विभागीय कार्य में कसावट लाने के लिए निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे ने विभागों का औचक निरीक्षण किया। दिन शनिवार एवं रविवार को अवकाश होने एवं कार्यालय दिवस में समय प्रातः 10:00 बजे से सायं 5:30 बजे तक के समय के अधिसूचना जारी होने के साथ ही आयुक्त सक्रियता से कभी भी औचक निरीक्षण कर रहे हैं। इसी तारतम्य में आज आयुक्त ने शाम 05 बजे मुख्य कार्यालय के विभिन्न विभागों का निरीक्षण करना प्रारंभ किया। कुछ विभागों में उनके महत्वपूर्ण कार्यों को लेकर उनके विभाग में ही बैठकर समीक्षा की। वही विभाग प्रमुख से विभागों के कार्यों के संपादन से संबंधित जानकारी ली। कर्मचारियों की उपस्थिति का भी निरीक्षण आयुक्त ने इस दौरान किया।

यूपी के काशी से इंडोनेशिया के बाली तक पहुंचेगा सांकरा की दीदियों का हर्बल गुलाल और अष्टगंध

स्व-सहायता समूह की 60 महिलाएं कर रही हर्बल गुलाल और अष्टगंध का उत्पादन, प्रोडक्ट का नाम है काशी अष्टगंध

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। सांकरा की स्व-सहायता समूह की महिलाओं का प्रोडक्ट इंडोनेशिया से इटली तक और देश में पुरी से काशी तक बिकेगा। यहां बड़े पैमाने पर हर्बल गुलाल और अष्टगंध का उत्पादन हो रहा है। कुमकुम स्व-सहायता समूह की 60 दीदियां इस कार्य के लिए लगी हैं। यह कार्य सांकरा डोम में हो रहा है। इसके लिए मशीन लगाई है गणेश ग्लोबल गुलाल फर्म ने। कंपनी ही अष्टगंध के लिए सामग्री प्रदान कर रही है और मार्केटिंग और डिस्ट्रीब्यूशन का कार्य कंपनी है। महिलाओं को हर दिन 200 रुपए मानदेय के अलावा प्रॉफिट शेयरिंग भी की जाएगी।

इस संबंध में जानकारी देते हुए कलेक्टर डा. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के मंशानुरूप सांकरा स्व-सहायता समूह में हम ऐसी गतिविधियों को जगह दे रहे हैं जहां बड़े पैमाने पर स्थायी रोजगार की संभावना बने। जिस फर्म को यहां काम सौंपा गया है वो ग्लोबल फर्म है और दुनिया भर के देशों में अपने उत्पादों का निर्यात करती है। मशीन भी कंपनी ने लगाई है।

उन्होंने बताया कि इधर के वर्षों में हर्बल गुलाल की माँग भी तेजी से बढ़ी है। यह खुशी की बात है कि हमारे समूह की महिलाएं इस दिशा में बढ़ी हैं और तेजी से काम कर रही हैं। इस संबंध में जानकारी देते हुए जिला पंचायत सीईओ श्री अश्विनी देवांगन ने बताया कि अष्टगंध का उपयोग दक्षिण भारत, ओडिशा और काशी में काफी होता है। इसके अलावा धार्मिक स्थलों में काफी मात्रा में इसका उपयोग होता है।

फर्म को हमने जगह प्रदान की और फर्म ने हमारे लोगों को रोजगार दिया और प्राफिट में भी हिस्सा देगी। इस संबंध में जानकारी देते हुए पाटन जनपद सीईओ श्री मनीष साहू ने बताया कि गुलाल के प्रोडक्शन के लिए मंदिरों से फूलों को चुना गया है।

चार जगहों में यह कार्य हो रहा है। मोहलई, कोनारी, सेलूद और नंदीरी में इसके लिए फूलों को सुखाया जा रहा है। सांकरा में इसकी प्रोसेसिंग होगी। समूह की दीदी दिलेश्वरी ने बताया कि हम सब के लिए यह काम बहुत अच्छा है। हमें खुशी है कि हमारा उत्पाद दुनिया भर में बिकेगा। कंपनी के अधिकारियों ने बताया कि बड़े पैमाने पर प्रोडक्शन का कार्य सांकरा में शुरू हो गया है।

अष्टगंध की लोकप्रियता दुनिया भर में है। दक्षिण में लोग त्रिपुंड लगाते हैं। दक्षिण पूर्व एशिया में बाली जैसे द्वीपों तक हमारा प्रोडक्ट बिकता है क्योंकि यहां के मूल निवासी भी हिंदू धर्मावलंबी हैं और बड़े पैमाने पर भारतीय समुदाय के लोग इन देशों में बसे हैं। कंपनी के अधिकारियों ने बताया कि अष्टगंध का उपयोग विदेशों के मंदिरों में भी होता है। उल्लेखनीय है कि कौही, ठकुराइनटोला जैसे मंदिरों में बड़े पैमाने पर फूल चढ़ाये जाते हैं। इन सभी का अच्छा उपयोग हर्बल गुलाल के लिए हो रहा है।

एक लाख 5 हजार बच्चों का किया गया स्वास्थ्य परीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। में चिरायु कार्यक्रम अन्तर्गत बाल स्वास्थ्य की देखभाल के लिए 10 दल कार्यरत है, जिसमें से धमधा विकासखण्ड में 02, विकास खण्ड पाटन में 03, विकास खण्ड निकुम 02, शहरी दुर्ग में 01 एवं शहरी भिलाई में 02 दल कार्यरत है, सभी दल के लिए वाहन सुविधा उपलब्ध है। प्रत्येक दल में आयुष चिकित्सा अधिकारी (महिला /पुरूष) एएनएम, आरएचओ महिला, फार्मसिस्ट कार्यरत है। सभी दल द्वारा जिले के कुल लक्षित 1148 स्कूल जिसमें 158812 व कुल आंगनबाडी 1482 जिसमें कुल 124384 बच्चे है जिनका स्वास्थ्य परीक्षण किया जाना है।

प्रत्येक चिरायु दल द्वारा अपने संबंधित विकासखण्ड/ शहरी यूनिट में लक्षित शालाओं का वर्ष में 1 बार एवं आंगनबाडियों का वर्ष में 2 बार भ्रमण किया जाता है। स्कूल व आगनबाडी में भ्रमण के दौरान बच्चो का स्वास्थ्य परीक्षण व उपचार किया जाता है, एवं उच्च स्वास्थ्य संस्था में आवश्यकता अनुसार रिफर भी किया जाता है।

चिरायु दल द्वारा द्वारा वर्ष 2021-22 में जिले के 217 ग्रामो में 688 स्कूल एवं 432 आंगनबाडी का भ्रमण किया गया जिसमें कुल 140446 बच्चे दर्ज थे जिसमें 105157 बच्चो का स्वास्थ्य जांच परीक्षण किया गया, जिसमें से 21306 बच्चों में बीमारी पाई गई जिसमें से 20619 बच्चो का उपचार स्वास्थ्य जांच परीक्षण के दौरान पूर्ण करा लिया गया। 687 बच्चो को उच्च स्वास्थ्य संस्था में उपचार हेतु रिफर किया गया। जिसमें सभी बच्चो के उपचार की प्रक्रिया जारी है।

विभिन्न बीमारियों की श्रेणी अन्तर्गत बच्चो को उच्च संस्था हेतु रिफर किया जाता है। वर्ष 2014 से 2022 तक चिरायु दलो द्वारा 21910 बच्चों को विभिन्न बीमारियो की श्रेणी अन्तर्गत उच्च संस्था में उपचार हेतु रिफर किया गया है। 21130 बच्चों के कुछ क्षेणीयो में से उपचार पूर्ण है तथा कुछ श्रेणीयो के बच्चो का उपचार निरन्तर किया जाता है।

गर्मी के समय जनता को पानी की समस्या न हो - महापौर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम के दाता सेंटर में महापौर धीरज बाकलीवाल,आयुक्त हरेश मंडावी ने आज अमृत मिशन की टीम और निगम अधिकारियों की संयुक्त बैठक लेकर आवश्यक निर्देश दिए।महापौर श्री बाकलीवाल एवं आयुक्त श्री मंडावी ने अमृत मिशन व निगम अफसरों को नव निर्माणधीन पानी टंकी 31 मार्च साइंस कॉलेज के सामने 24 एमएलडी पानी टंकी,पद्मनाभपुर नव निर्माण पानी टंकी एवं 15 अप्रैल तक पुराना गंज मंडी स्थित पानी टंकी शुरू करने के लिए सख्त निर्देश दिया गया।

उन्होंने अमृत मिशन टीम पर नाराजगी व्यक्त करते हुए मिशन के कार्यो की समय निर्धारित की।बैठक में जलकार्य प्रभारी संजय कोहले,सहायक अभियंता आर.के.जैन, उपअभियंता भीमराव, जलकार्य निरीक्षण नारायण सिंह ठाकुर, कपील दीक्षित,अभ्युदय मिश्रा व अमृत मिशन की टीम उपस्तित थे।

उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा अमृत मिशन की टीम को निर्देशित कर कहा गर्मी का समय आ

गया है अब किसी भी प्रकार की असुविधा के लिए अमृत बाधा बर्दाश्त नही किया जाएगा।बढ़ती गर्मी को ध्यान में रखते हुए कार्य को समय सीमा में पूरा करे।बैठक के दौरान महापौर व आयुक्त ने कहा सामने गर्मी को देखते हुए टेंकरो से लेकर सभी व्यवस्था दुरुस्त रखें ताकि आम जनता को किसी भी प्रकार की असुविधा के लिए अमृत मिशन टीम एवं निगम अधिकारी जिम्मेदार होंगे साथ ही पुलगांव स्थित पानी टंकी को चालू करने निर्देशित है। कैलाश नगर एवं हनुमान नगर में पानी की समस्या को देखते हुए ट्रैक्टर की व्यवस्था की जा रही है। जहां- जहां वाल्व खराब है उसे तत्काल बदला जाएगा जिससे पानी की सप्लाई में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न ना हो। अमृत मिशन के कार्यो की समीक्षा प्रत्येक सप्ताह की जावेगी।

अतिक्रमण पर लंबे समय से चल रहा विवाद समाप्त, नाले की जमीन पर बने 60 फीट लंबा अपार्टमेंट की दीवार को ढहाया

13 फीट चैड़ाई वाला नाला निर्माण का रास्ता हुआ साफ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। मैत्रीकुंज में चल रहे नाला निर्माण कार्य में बाधा बना अतिक्रमण सोमवार को हटा दिया गया। लगभग 60 फीट लंबाई वाले बाऊंड्रीवाल को गिराने महापौर शशि सिन्हा व निगम आयुक्त आशीष देवांगन पहुंचे थे। मलबा हटाने के बाद नाला निर्माण कार्य दोबारा शुरू होगा।

लंबे समय से चले आ रहे आकृति अपार्टमेंट व निगम प्रशासन के बीच विवाद का पटाक्षेप हो गया। निगम व अधिकारियों ने आकृति अपार्टमेंट का 60 फीट बाऊंड्रीवाल ढहा दिया।

उल्लेखनीय है कि नाला के शुरूआत में पहले वर्मा परिवार ने अतिक्रमण किया था। इसे हटाने के बाद विवाद गहरा गया। अपार्टमेंट के मालिक का कहना था वह अपने हिस्से की जमीन पर बाऊंड्रीवाल बनाया। विवाद के चलते नाला निर्माण कार्य बीच में ही अटक गया था।

अतिक्रमण हटाते समय मौके पर एमआईसी सद्स्य चन्द्रभान सिंह ठाकुर, गोविन्द चतुर्वेदी, परमेश्वर, सोनिया देवांगन, सहायक अभियंता आर.के. जैन, उपअभियंता हिमांशु कावड़े, राजस्व अधिकारी हरचरण सिंह अरोरा व संजय वर्मा उपस्थित थे।

निगम को केवल 5 फीट जगह मिल रही थी

मैत्रीकुंज में बनाए जा रहे नाला की चैड़ाई 13 फीट है। नाला के दोनो ओर 1-1 फीट जगह छोड़ना है। आकृति अपार्टमेंट के मुख्य गेट के पास चैड़ाई तो ठीक थी, लेकिन कुछ दूरी पर निगम के पास केवल 5 फीट जगह मिल रही थी। अपार्टमेंट का बाऊंड्रीवाल होने की वजह से काम रूक गया था।

सीमांकन के बाद हटाया अतिक्रमण

कार्य रूकने के बाद कागजी विवाद शुरू हो गया था। अपार्टमेंट के मालिक का कहना था कि वह अपने हिस्से की जमीन पर काबिज है। निगम प्रशासन द्वारा सीमांकन कराने के बाद बिल्डर ने सहयोग करना शुरू किया। राजस्व विभाग द्वारा चर्चा करने के बाद अतिक्रमण हटाया गया।

अतिक्रमण कभी बाधा नहीं बनेगा

मौके पर पहुंची महापौर शशि सिन्हा ने कहा कि रिसाली निगम गठन के बाद क्षेत्र को संवारने लगातार प्रयास किया जा रहा है। विकास कार्य में अतिक्रमण का बाधा कभी बर्दास्त नहीं किया जाएगा।

पहले दिन 5 शिकायत में 3 अतिक्रमण के दो नागरिकों ने धूप से बचने शेड बनाने की मांग की

हर 10 वें दिन खुलेगी शिकायत पेटी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग ग्रामीण के विधायक और प्रदेश के गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू की मंशा अनुरूप निगम कार्यालय में लगाए गए सुझाव एवं शिकायत पेटी में नागरिकों ने रूचि दिखाना शुरू कर दिया है। सोमवार को पहली बार खोले गए पेटी में 5 में से 3 शिकायत अतिक्रमण हटाने की है। वहीं दो पत्र ऐसे है जिसमें सुविधाएं बढ़ाने की मांग की गई है।

निगम सरकार बनने के बाद गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने निर्देश दिए थे कि कार्यालय में शिकायत एवं सुझाव पेटी अनिवार्य रूप से लगाया जाए। इसके पीछे तर्क केवल इतना ही था कि निगम के जनप्रतिनिधि व अधिकारी ऐसे व्यक्ति तक भी पहुंचे जो कार्य नहीं होने पर अतत: निराश होकर शिकायत पेटी में पत्र डालते है या फिर भय की वजह से चुपके से पत्र लिखते हैं। गृहमंत्री ने निर्देश दिए है कि पहले शिकायत का परीक्षण हो और फिर उस पर कार्यवाही हो। इसी निर्देश पर लोकनिर्माण प्रभारी अनूप डे ने निगम कार्यालय में पेटी लगवाया है। मुख्य गेट में लगे शिकायत पेटी को महापौर शशि सिन्हा, सभापति केशव बंछोर, एमआईसी सद्स्य अनूप डे, सनीर साहू, गोविन्द चतुर्वेदी, चन्द्रभान सिंह ठाकुर, ईश्वरी साहू, पार्षद डॉ. सीमा साहू की उपस्थिति में आयुक्त आशीष देवांगन ने खुलवाया।

तीन शिकायत अतिक्रमण के वार्ड 32 में अतिक्रमण किए जाने की शिकायते सबसे ज्यादा है। वैसे तो पेटी में 6 पत्र मिले जिसमें से 2 एक जैसे थे। जिसमें टैक्स जमा करने बनाए काउंटर में धूप से बचने नागरिकों के लिए, शेड बनाने और 3 पत्र वार्ड 32 में अतिक्रमण किए जाने के थे। नेवई भाठा में दुकान बनाने व इसी वार्ड में 2 अलग-अलग स्थानों में सड़क की जमीन पर कब्जा करने की शिकायत की गई है।

हर 10 वे दिन खुलेगी पेटी

लोक निर्माण विभाग के प्रभारी ने बताया कि सुझाव व शिकायत पेटी हर 10 वे दिन अधिकारियों की उपस्थिति में खोली जाएगी। पत्र को सूची बद्ध किया जाएगा। इसके बाद विधिवत जांच के बाद शिकायत का निराकरण किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि गंभीर शिकायत भी नागरिक इसमें कर सकते है। जांच के लिए नाम व मोबाइल नं. स्पष्ट लिखे। नाम को गोपनीय रखा जाएगा।

द कश्मीर फाइल्स देखने से रोक लगाने की शिकायत

श्रीराम जन्मोत्सव समिति ने सिनेमाघर संचालकों के खिलाफ जिलाधीश को ज्ञापन सौंपा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। राम जन्मोत्सव समिति द्वारा आज जिलाधीश एवं अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी से भेंटकर जिले के सिनेमाघरों द्वारा द कश्मीर फाइल्स फिल्म को लेकर की जा रही मनमानी की शिकायत संबंधी ज्ञापन सौंपा गया।

समिति के युवा शाखा जिला महामंत्री रिंकू साहू के नेतृत्व में कलेक्टोरेट पहुंचे प्रतिनिधिमण्डल ने जिलाधीश को ज्ञापन सौंपकर सिनेमाघर संचालकों की मनमानी पर रोक लगाने की मांग की गई।

साहू ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले के सिनेमाघरों द्वारा जानबूझकर लोगों को द कश्मीर फाइल्स फिल्म देखने से रोका जा रहा है। प्रतिनिधिमण्डल ने ज्ञापन में बताया कि सिनेमाघर संचालकों द्वारा द कश्मीर फाइल्स फिल्म को कोरोना गाइडलाइन का हवाला देकर 50 प्रतिशत क्षमता के साथ दिखाया जा रहा है, जबकि वर्तमान में प्रशासन द्वारा इस तरह की कोई भी गाइडलाइन प्रभावी रूप से कार्य नहीं कर रही। सिनेमाघरों द्वारा बिना टिकिट बिक्री किये ही हाउसफुल का बोर्ड टांग कर लोगों को गुमराह किया जा रहा है। समिति की इस मांग पर जिलाधीश ने तत्काल प्रभाव से आदेश दिया कि सभी सिनेमाघरों में यह फिल्म 100 प्रतिशत क्षमता के साथ दिखाई जाए।

प्रतिनिधिमण्डल में मुख्य रूप से जिला मंत्री-मुकेश सिंह, मीडिया प्रभारी रोहित तिवारी, पार्षद- ईश्वरी नेताम, जिला मंत्री- ध्रुव पाण्डेय, विशाल सिंह व वीरू जैन सहित कार्यकर्ता उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950